

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी बरकट्टा में यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का शुभारंभ प्रमुख रेणु देवी ने किया. सौ दिन चलेगा कार्यक्रम



संवाददाता बरकट्टा

बरकट्टा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्टा में यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, पंसस शिक्षा, स्वास्थ्य युसूफ अंसारी, चिकित्सक प्रभारी डॉ रत्ना रानी कुंज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उपप्रमुख प्रतिनिधि उत्तीम महतो, पंसस प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद, चिकित्सक डॉ फातिमा खातून मौजूद थीं। प्रमुख रेणु देवी ने स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चलाई जा रही एक सौ दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन अभियान को लोगों से सफल बनाने की अपील किया। डॉ रत्ना रानी ने बताया कि यक्ष्मा उन्मूलन अभियान, यानी टीबी उन्मूलन अभियान, भारत सरकार की एक सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल है। इसका मकसद वर्ष 2025 तक भारत में टीबी को खत्म करना है। अभियान के तहत, टीबी से जुड़ी कई पहलें की जा रही हैं। इस अवसर पर प्रधान लिपिक सोनी रविदास, बीपीएम रंजीत कुमार सिंह, डॉ राकेश्वर प्रसाद, भवेस कुमार, बीटीटी प्रकाश पंडित, दशरथ मोदी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

कलहाबाद गांव के राजकुमार प्रसाद का सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर के पद पर हुआ चयन

संवाददाता बरकट्टा

बरकट्टा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कलहाबाद निवासी राजकुमार प्रसाद का चयन सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर पद के लिए हुआ है। राजकुमार प्रसाद का चयन होने पर परिजनों एवं प्रखंड क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। इसकी जानकारी राजकुमार प्रसाद के बड़े भाई मोहन मुरारी प्रसाद ने दिया। बताया कि राजकुमार प्रसाद की प्रारंभिक शिक्षा गांव से शुरू होकर कलहाबाद स्कूल से मैट्रिक बोर्ड की परीक्षा पास किया। इसके पश्चात इंटरमीडिएट परीक्षा विष्णुगढ़, बीए तथा एमए की परीक्षा डोरंडा कॉलेज रांची से पूरा किया। राजकुमार प्रसाद ने अपनी सफलता का श्रेय पिता जगदीश प्रसाद, माता राधा देवी, बड़े भाई मोहन मुरारी प्रसाद एवं अपने गुरुजनों को दिया है।

35 वां एथलेटिक्स मधुपुर में सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह के भैया ने लहराया परचम



मधुवन थाना क्षेत्र सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह के प्रांगण में भैया धनराज कुमार यादव को सम्मानित किया गया। ज्ञात हो 35 वां एथलेटिक्स, खो खो, कबड्डी (शिशु वर्ग) खेलकूद समारोह का आयोजन महेंद्र मुनि सरस्वती विद्या मंदिर मधुपुर में आयोजित किया गया था जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह से एथलेटिक्स में चार भैया ने भाग लिया था और उस प्रतियोगिता में भैया धनराज कुमार यादव ने 400 मीटर स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर सिनीडीह क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपने उद्बोधन में प्रधानाचार्य राकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि सिनीडीह क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है आवश्यकता है तो उसमें निखार लाने की। मौके पर खेल प्रमुख आचार्य प्रवीण कुमार दास के साथ सभी आचार्य एवं दीदी जो उपस्थित थे।

उत्कर्मित मध्य विद्यालय तिलौना में नियमितता को लेकर बीईईओ ने संज्ञान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्कर्मित मध्य विद्यालय तिलौना में बीते श-क्रवाच को अंडा, चावल, दाल, हरी सब्जी के जगह हल्की मात्रा में मुडी और चनाचूर बच्चों को खिलाया गया। वहीं प्रधान शिक्षक के अलावे एक अन्य सहायक शिक्षक अनुपस्थित थे। जिससे पटन पाठन भी प्रभावित था इसको लेकर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए कहा है कि इस विषय पर विधिकार जांच कराया जाएगा। दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किया जाएगा। वहीं सीआरपी जेपेश्वर दास के द्वारा बताया गया कि इसके लिए हम जिम्मेवार नहीं हैं। अध्यक्ष सचिव इसका मालिक होता है। आपकी बता दें कि विद्यालय में पटन पाठन और मध्याह्न भोजन नियमानुसार चले। इसके लिए सीआरपी को देखने और रिपोर्ट करने का काम दिया गया है। लेकिन सीआरपी के द्वारा इस मामले में हाथ खड़ा कर दे रहा है।

विद्यालय में मापतोल किए चावल गिराया, कई किलो चावल का हुआ हेराफेरी, होगी जांच

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सभी विद्यालयों में माध्यम भोजन का भंडर के द्वारा सभी विद्यालय में चावल अनियमितता पूर्वक पहुंचाया गया। बीआरसी स्थित गोदाम में रखे चावल का हंड ओभर विभाग के द्वारा उक्त भंडर को दिया। उसके बाद उसके द्वारा बिना मापतोल किए प्रत्येक विद्यालय में अनियमितता पूर्वक चावल पहुंचाया गया। विद्यालय में एक बोरा का 50 किलो के हिसाब से विद्यालय में चावल गिराया गया। वहीं उक्त बोरा में करीब 5 किलो तक चावल कम रहने की बात बताई जा रही है। शिक्षकों द्वारा बताया गया की बीआरसी और चावल सप्लायर की मिली भगत से ऐसा किया जा रहा है। हम लोग इसके विरोध में कार्य करते हैं तो बीआरसी के द्वारा अन्य परेशानी का सामना करना पड़ता है। चावल सप्लायर के द्वारा बिना मापतोल किए चावल विद्यालय में गिराया गया है। चावल का सप्लायर कौन है, उसके बारे में पूरी जानकारी भी उपलब्ध नहीं है। यह एक जांच का विषय है। इस बावत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संत मसी टुडू ने बताया कि इस विषय पर एक जांच कमेटी गठित कर जांच कराया जाएगा। कम चावल देना गंभीर विषय है। बिना मापतोल कर किसी भी शिक्षक को चावल नहीं लेना है ना ही सप्लायर को चावल देना है।

पू. सी. रेलवे ने नवंबर 2024 में 1032 माल रेक अनलोड किए

मालीगांव,

पू. सी. रेलवे ने अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले प्रत्येक राज्य के हर कोने पर वस्तुओं की आपूर्ति करने के प्रयास में नवंबर, 2024 में 1032 माल रेकों की अनलोडिंग की। पू. सी. रेलवे ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, आँटो, टैंक और अन्य वस्तुओं जैसे सामानों का परिवहन किया है और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेड में अनलोड किया है। नवंबर, 2024 के दौरान, असम में मालगाड़ियों के कुल 583 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 286 आवश्यक वस्तुओं से लोड थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 55, नागालैंड में 10, अरुणाचल प्रदेश में 10 और मिजोरम में 07 रेक अनलोड



किए गए। इसके अलावा, नवंबर, 2024 के दौरान पश्चिम बंगाल में 197 फ्रेट रेक और बिहार में 170 फ्रेट रेक भी पू. सी. रेलवे के क्षेत्राधिकार में अनलोड किए गए थे। महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहराकरण कार्यों के त्वरित निष्पादन, अत्याधुनिक टर्मिनल हैंडलिंग सुविधाओं से माल ढुलाई की

आवक और जावक गतिविधियों में वृद्धि हुई है। सभी स्तरों पर सतत निगरानी के परिणामस्वरूप टर्नअराउंड समय में भी कमी आई है और अनलोडिंग दक्षता में वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप माल अनलोडिंग में वृद्धि होने से आवश्यक और अन्य वस्तुओं की आवाजाही भी बढ़ी है।

डी ए वी के लाल मनोज ने दिल्ली में लहराया परचम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ स्थानीय विद्यालय डीएवी पब्लिक स्कूल के वर्ग अष्टम के मनोज सोरेन ने नई दिल्ली में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स 2024-25 की खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया एवं गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय, शहर एवं प्रांत का नाम रोशन किया। डी ए वी नेशनल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता जिसे भारत सरकार के स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है, में विद्यालय के मनोज सोरेन ने 100 मीटर रस में लम्बाग 500 विद्यालय के प्रतिभागियों को पछाड़ कर प्रथम स्थान हासिल किया एवं गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। 1 दिसंबर से 5 दिसंबर तक दिल्ली के खेलांगण में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद शनिवार को पाकुड़ आगमन पर खिलाड़ियों का गर्वोशी से स्वागत किया गया। इस उपलक्ष्य में विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि हमारा



विद्यालय पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में ही नहीं खेल के मैदान में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जहां जाता है वहां परचम लहरा कर आता है। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स की इस प्रतियोगिता में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ आदि विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों के बीच कड़े मुकाबले में स्थान बना पाना काफी कठिन कार्य होता है लेकिन हमारे खिलाड़ियों ने इसे सिद्ध करके दिखाया है। हम सभी खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हैं

और प्रशिक्षु शिक्षक के नियमित प्रयास में सहयोग एवं कुशल मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने इस उपलब्धि हेतु विद्यालय के सभी खेल शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापन किया एवं उनके अथक परिश्रम की सराहना की। इस उपलब्धि हेतु डी ए वी झारखंड जौन एच के सहायक निदेशक डॉ प्रवीर हाजरा ने मनोज सोरेन एवं विद्यालय परिवार को बधाई दी एवं बताया कि अपने जोन के लिए यह गौरव की बात है। प्राचार्य एवं सभी शोक्षकों के बीच हर्ष का माहौल रहा। सभी ने विजय मनोज सोरेन के उज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय में चलाया गया सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:ओपेन स्काई स्मार्ट स्कूल में परिवहन विभाग, पाकुड़ के सौजन्य से जिला सड़क सुरक्षा कोषांग के रोड इंजीनियर एनालिस्ट मो० अजहद अंसारी एवं आई टी अस्सिस्टेन्स अमित कुमार राम द्वारा शनिवार को बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम बच्चों को सड़क सुरक्षा से संबंधित पत्रिका एवं फ्लायर प्रदान किया गया। अपने संबोधन उन्होंने बताया कि हमें दोषिहिया वाहन चलाने समय हमेशा अच्छी गुणवत्ता के आई एस एस मार्क वाला हेलमेट लगाना चाहिये क्योंकि दुर्घटना के बाद सर में चोट लगने के गंभीर दुष्परिणाम होते हैं, यातायात के नियमों एवं ट्रैफिक सिग्नल का हमेशा पालन करना चाहिये, सड़क पर हमेशा गति सीमा का ध्यान रखना चाहिये तथा कभी भी तब गति से अधिक गति पर वाहन नहीं चलाना चाहिये, चारपहिया वाहन चलाने समय हमेशा सीट बेल्ट लगाना चाहिये क्योंकि अधिकांश गाड़ियों में एयरबैग जैसे सुरक्षा उपकरण सिर्फ सीटबेल्ट लगे होने पर ही काम करते हैं, वाहन चलाने समय दूसरे वाहनों



से हमेशा उचित दूरी बनाये रखना चाहिये, शराब आदि किसी भी नशीले प्रदार्थ का सेवन कर कभी वाहन नहीं चलाना चाहिये। इसके अतिरिक्त उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम की मुख्य बातें भी बताया साथ ही बच्चों को 18 वर्ष से कम उम्र में कोई भी वाहन नहीं चलाने की सलाह दी तथा चेतावनी दी कि ऐसा करते पकड़े जाने पर उनका वाहन जब्त हो सकता है एवं जुर्माना भी किया जा सकता है। वाहन दुर्घटना में सबसे अधिक जान दोषिहिया वाहन से होने वाली दुर्घटना में जाती है। वर्ष 2023 में झारखंड में कुल सड़क दुर्घटना की संख्या 5315 थी जिसमें 4173 लोगों ने अपनी जान गंवायी। लगभग 10

लोग रोज झारखंड में सड़क दुर्घटना में मारे जाते हैं। उन्होंने बच्चों से अनुरोध किया कि वे अपने अभिभावकों को हमेशा हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट लगाने के लिये जागरूक करें साथ ही अभिभावकों एवं पड़ोसियों एवं समाज के अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा एवं मोटर वाहन अधिनियम के विषय में जागरूक करें। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से भी नियमित रूप से सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनने की शपथ दिलाई गई।

गोविंदपुर व निरसा में जाम की समस्या का त्वरित समाधान करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

आवारा पशुओं को लेकर नगर निगम को कार्रवाई करने का निर्देश

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने गोविंदपुर व निरसा में जाम की समस्या का समाधान निकालने, बैंक मोड़ फ्लाईओवर तथा सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर संबंधित विभाग को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गोविंदपुर में लगने वाले जाम को लेकर उपायुक्त ने एनएचएआई को सर्विस रोड के अंधरे निर्माण को शीघ्र पूरा करने, सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाने, गोविंदपुर थाना के पास सर्विस रोड पर खड़े वाहनों को शीघ्र हटाने तथा सड़क पर साइन बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। वहीं निरसा में भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाले जाम

को लेकर उपायुक्त ने एनएचएआई को सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाने और अंधरे निर्माण को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के गोविंदपुर और निरसा में सड़क जाम एक विकराल समस्या बन गई है। इसका मुख्य कारण एनएचएआई द्वारा अर्ध निर्मित सर्विस लेन, एनएचएआई को सड़क पर अतिक्रमण और सही साइनेज नहीं लगाना है। सड़क जाम के सथ-साथ आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं। इस्की गंभीरता को एनएचएआई समझे और अंधरे निर्माण कार्य तथा सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। बैठक में बैंक मोड़ फ्लाईओवर को लेकर भी उपायुक्त ने विचार विमर्श किया। वहीं



सड़क पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर उपायुक्त ने नगर निगम को ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि लोग अपने पालतू जानवरों को सड़क पर छोड़ देते हैं। जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। उन्होंने सड़क पर घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़ कर पशु मालिक पर रफ्लिक न्यूसेंस फैलने के लिए उपायुक्त ने नगर निगम को ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने

डीपीएस, पाकुड़ में श्री अन्न पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली द्वारा निर्देशित, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए अन्न पोषण माह योजना की शुरुआत विद्यालय में संचालित हैलथ एंड वेलनेस क्लब के तत्वाधान में दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह से विभिन्न गतिविधियों आयोजित की जा रही हैं। इसके तहत सर्वप्रथम एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन कर बच्चों को पोषण संबंधी परिचर्चा, स्वस्थ एवम् संतुलित आहार की उपयोगिताओं एवम् आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सभी बच्चों को पोषण शपथ दिलाई गई। इस क्रम में कक्षा सात से नववीं के बच्चों ने अन्न पोषण माह योजना एवम् संतुलित आहार की जीवन में आवश्यकता पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के लगभग दो सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। अगले सप्ताह में निर्धारित



एनीमिया पर गुप डिस्कशन,बाद विवाद प्रतियोगिता,कक्षावार पोस्टर मेकिंग एवम् बच्चों द्वारा अपने घरों में पौधारोपण किया जाना प्रस्तावित है। विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने बच्चों को संदेश देते हुए हुए कहा, रअन्न पोषण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को संतुलित और संपूर्ण आहार को प्रयोग में लाना है, जिससे वे स्वस्थ

और मजबूत बन सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी शर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि , हमारा उद्देश्य बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी देना और उन्हें स्वस्थ खाने की आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास हो सके।

कोडरमा ब्लॉक रोड में गंदगी का अंबार, जेएमएम नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने जताई नाराजगी

कोडरमा ,विजय यादव

कोडरमा ब्लॉक रोड में भारी गंदगी और अव्यवस्था को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में लंबे समय से गंदगी की समस्या बनी हुई है, लेकिन नगर परिषद सुमरीतिलेया की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। दीपक विश्वकर्मा ने कई बार नगर परिषद को इस समस्या के समाधान के लिए लिखित रूप से आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि करीब तीन साल पहले नाला निर्माण की योजना बनाई गई थी, लेकिन आज तक पूरा नहीं किया गया। बताया कि यह सड़क कई महत्वपूर्ण संस्थानों से घिरी हुई है,



जिसमें सरकारी अस्पताल, सरस्वती विद्या मंदिर, भारतीय स्टेट बैंक और कई डॉक्टरों के क्लीनिक शामिल हैं। इस क्षेत्र से अंचलाधिकारी समेत अन्य सरकारी अधिकारी भी गुजरते हैं, लेकिन गंदगी की समस्या पर किसी का ध्यान नहीं है। दीपक विश्वकर्मा ने चेतावनी

दी कि इस गंदगी के कारण किसी भी समय गंभीर बीमारी फैल सकती है। उन्होंने नगर परिषद से मांग की है कि इस क्षेत्र को सफाई जल्द से जल्द कराई जाए, ताकि आम जनता को असुविधा और बीमारियों का सामना न करना पड़े।

सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन

मांडर - शनिवार को कन्दरी

माण्डर स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० सुजीत कश्यप मेडिकल ऑफिसर सी०एच०सी० रातु, श्री सरोज शाह, श्रीमति छवि सिन्हा अध्यक्ष भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, श्री नितिन पराशर सचिव भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन एवं श्रीमति डा० दीपाली पराशर शैक्षणिक सचिव भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन उपस्थित थे। डा० सुजीत कश्यप ने छात्र/छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मरीजों के सांठों की निमती नर्सिंग पर ही पूरी तरह निर्भर है क्योंकि डॉक्टर भले ही उपचार बताते हैं लेकिन उनकी पूरी देखभाल नर्सिंग ही करती है। श्री नितिन पराशर ने कहा कि नर्सिंग का संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा के लिए समर्पित है। उसे सत्य के धर्म का भी निरर्थक करते हुए कर्तव्य एवं निष्ठ के साथ अपने कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए।



हमारा संस्थान छात्र-छात्राओं को सल शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि हमारे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और बेहतर हो सके। श्रीमति डा० दीपाली पराशर ने छात्र/छात्राओं से कहा कि नर्सिंग दुनिया की एक ऐसी सेवा है जो त्याग, समर्पण, संतुष्टि तथा संतुष्टि से लिप्त है। महाविद्यालय के डीन डा० उपेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस आदिवासी बहुल इलाके में भी नर्सिंग जैसे पाठ्यक्रम को संचालित कराना महाविद्यालय का एक सराहनीय कदम है। नर्सिंग की प्रचार्या श्रीमती निहा-रका श्रीवास्तव के द्वारा स्वागत

अभिभाषण दिया गया। नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के द्वारा संगीत, नृत्य, नाटक इत्यादि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में व्याख्याता अंजला गाड़ी, गोपाल त्रिपाठी, प्रतिभा कुजूर, दिपा कौंड्यार, पुनम मिंज, क्रिस्टीना किसकु, सुषमा कुमारी, निभा प्रियंका खल्लो, संगीता कुमारी, प्रीतम कुमार सिन्हा, शशिभूषण जायसवाल मनोषा कुमारी, एम०डी० अफरोज, तुलसी दास, आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन नर्सिंग के विद्यार्थी गौरव कुमार एवं सुहानी कुमारी वर्मा के द्वारा किया गया।

सड़क सुरक्षा समिति ने किया सरायढेला से गोविंदपुर तक निरीक्षण



धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निदेशानुसार जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक पूरी होने के बाद समिति के सदस्यों ने सरायढेला से गोविंदपुर तक सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने टुंडी से गोविंदपुर सुभाष चौक, बलियापुर से गोविंदपुर सुभाष चौक, गोविंदपुर साहिबगंज रोड के प्रस्थान बिंदु से फकीरडीह तक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने वहां की समस्या की जानकारी ली तथा समस्या के निराकरण के लिए विचार विमर्श किया। विचार विमर्श करने के

बाद टीम ने सभी सड़कों के जंक्शन से पहले स्पीड लिमिटर का साइन बोर्ड लगाने, नाइट विजन रिफ्लेक्टर लगाने, मुख्य सड़क की इंटी से पहले रंबल स्ट्रीप लगाने सहित सुरक्षा के दृष्टिकोण से अन्य आवश्यक निर्णय लिए। टीम में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूय सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, डीएसपी मुख्यालय १ शंकर कामती, सभी अंचलों के अंचल अधिकारी, एनएचएआई के पदाधिकारी, गोविंदपुर, निरसा, बरवाअड्डा तथा राजगंज थाना के इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उद्योग विभाग बिहार सरकार एवं राजकीय अभियन्त्रण महाविद्यालय औरंगाबाद के स्टार्टअप सेल के संयुक्त आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया



रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ उद्योग विभाग बिहार सरकार एवं राजकीय अभियन्त्रण महा-विद्यालय औरंगाबाद के स्टार्टअप सेल के संयुक्त तत्वाधान से बोयाडा में स्थित सितयोग इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्टार्टअप जागरूकता आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि,जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मो. अफ्फान, राजकीय अभियन्त्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल इंचार्ज प्रो आनन्द राज , एवं अभियन्त्रण महाविद्यालय औरंगाबाद का छात्र अनुराग जिन्हें उद्योग विभाग बिहार सरकार से स्टार्टअप सीड फण्ड प्राप्त हो चुका है सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में कॉलेज के रजिस्ट्रार शाहिद इकबाल, और काफ़ी संख्या में प्रोफेसर और छात्र शामिल हुए। उद्योग विभाग के महाप्रबंधक मो अफ्फान ने बिहार सरकार के स्टार्टअप नीति एवं उधमी योजनाओं के बारे में छात्रों को जानकारी दी और छात्रों को स्टार्टअप के क्षेत्र में अवसर और बिहार सरकार के स्टार्टअप नीति 2022 से मिलने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाप्रबंधक मो अफ्फान ने विकसित बिहार सर्वे 2047 में सभी शिक्षकों,छात्रों और कर्मचारियों को भाग लेने का अनुरोध किया और अपनी राय ऑनलाइन सबमिट करने हेतु आह्वान किया. महाप्रबंधक द्वारा पटना में 19 और 20 दिसंबर में पटना में उद्योग विभाग द्वारा आयोजित होने वाले बिहार बिजनेस कनेक्ट समारोह की जानकारी दी और इच्छुक निवेशकों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने का अनुरोध किया गया ताकि उद्योग स्थापित करने हेतु उद्यमी उद्योग विभाग के नीतियों से अवगत हो सके। राजकीय अभियन्त्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल इंचार्ज प्रो आनन्द राज ने बताया कि आज स्टार्टअप देश की जरूरत है, और विकसित भारत के संकल्प में स्टार्टअप की सबसे बड़ी भूमिका रहेगी। साथ ही आनन्द राज ने इस शानदार कार्यक्रम के आयोजन के लिये सितयोग के प्रबंधन एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो सभ्नु कुमार एवं प्रवीण कुमार, वैभव सिंह जी को धन्यवाद दिया। वहीं देश स्टीम स्टार्टअप के फाउंडर सह महाविद्यालय के कंप्यूटर विभाग का छात्र अनुराग ने अपनी स्टार्टअप जर्नी को छात्रों के समक्ष रखा। कॉलेज के रजिस्ट्रार शाहिद इकबाल ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला उद्योग केंद्र एवं राजकीय अभियन्त्रण महाविद्यालय औरंगाबाद के स्टार्टअप सेल के प्रति आभार व्यक्त किया एवं उम्मीद जताई के कॉलेज के सभी छात्र इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे और आश्चर्य नहीं किया के सभी शिक्षक, छात्र कर्मचारी विकसित बिहार सर्वे 2047 में अपनी बहुमूल्य स-झाव के माध्यम से अपनी राय को सरकार से अवगत कराएंगे।

श्री सीताराम विवाह महोत्सव का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - निशांत कुमार

औरंगाबाद/ हसपुरा प्रखंड में शुक्रवार की रात पुरानी ठाकुर बाड़ी कोईलवा में श्री सीताराम विवाह महोत्सव का समायोजन किया गया।वैदिक विधि विधान के साथ लोक परम्परा के साथ विवाह उत्सव मनाया गया।इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।रातभर दर्शक कार्यक्रम से चिपके रहे। यह आयोजन आचार्य पं० लाल मोहन शास्त्री के निर्देशन में सम्पन्न कराया गया। श्याम संगीत के साथ कीर्तन मण्डली ने भाग लेकर सांस्कृतिक भजन कीर्तन के साथ आयोजन को सफल किये। निदेश यादव ने व्यवस्था में लगे रहे। मुख्य गायक कुंज बिहारी शर्मा ' तबला वादक सुशील प्रसाद सिंह ' सहयोगी रघुवंश शर्मा ' सुरदास जी पं० महेन्द्र द्विवेदी ' मृत्युञ्जय शर्मा ' अरुण शर्मा ' अम्बिका राम ' मंग



बिहार राज्य फसल सहायता योजना CCE Agri App के माध्यम से फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण जिला सांख्यिकी पदाधिकारी के द्वारा किया गया



रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ बिहार राज्य फसल सहायता योजना CCE Agri App के माध्यम से फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, औरंगाबाद, श्री मोती कुमार दिनकर, द्वारा औरंगाबाद जिले के हसपुरा प्रखण्ड अन्तर्गत पारू पंचायत के गवसपुर गांव में किया गया। इस प्रयोग के तौर पर सर्वप्रथम गवसपुर गांव के किसान श्री संतविलास शर्मा, पिता श्री देवलाल मिस्त्री के खेसरा संख्या-1337 थाना संख्या-13 में श्री रविन्द्र कुमार, किसान सलाहकार, हसपुरा द्वारा किया गया। फसल कटनी प्रयोग वैज्ञानिक विधि से निर्धारित प्रक्रिया द्वारा 1005 किटें में किया गया जिसमें 28,540 किलो ग्राम उपज प्राप्त हुआ। प्रयोग के दौरान जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, औरंगाबाद श्री मोती कुमार दिनकर, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, हसपुरा, श्री जनेश्वर चौधरी, प्रखण्ड सांख्यिकी पदाधिकारी, श्री राकेश कुमार, अंचल निरीक्षक, श्री महेन्द्र चौधरी, कृषि समन्वयक, हिमांशु कुमार, किसान सलाहकार, रविन्द्र कुमार, किसान नन्दन कुमार एवं ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

छत से गिरकर 22 वर्षीय महिला की मौत

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - मुफरिसल थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में शनिवार की सुबह छत से गिरकर बिलेंद्र कुमार की 22 वर्षीय पत्नी इंदू देवी घायल हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां इव्यूटी पर रहे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि इंदू सुबह में अपने नौ माह के पुत्र को गोद में लेकर छत पर खेला रही थी। अस्तुलित होकर छत से गिर गई। गनीमत रही कि बच्चा छत पर फेंका गया नहीं तो बच्चे की जान जा सकती थी। इधर घटना के बाद से स्वजन रो रहे हैं। स्वजनों की रुलाई से सदर अस्पताल में खड़े लोगों के आंखों से आंसू बहने लगे। अस्पताल के स्वजन शव का बगैर पोस्टमॉर्टम कराए घर लेकर चले गए। इधर घटना की सूचना पर पहुंचे जिला पार्षद अनिल यादव ने महिला के स्वजनों को समझाते हुए हाड़ूस बंधाया।

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में साइंस, कॉमर्स और आर्ट प्रदर्शनी का शानदार आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल,भंडारकोला में छात्रों के प्रस्तुति कौशल को बढ़ाने,छात्र की सोचने की शक्ति को बढ़ाने और छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देने के उद्देश्य के साथ-साथ छात्रों द्वारा नए विचारों,परियोजनाओं और वैज्ञानिक नवाचारों को प्रस्तुत करने के लिए साइंस ,कॉमर्स और आर्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में भारी संख्या में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावक गण भी आए। उनके बीच भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक सरोकारों से संबंधित नुककड़ नाटक भी प्रस्तुत किए गए। लगभग 600 बच्चों के द्वारा 150 मॉडल बनाए गए । ड्रोन,मानव को देखकर विद्युत उपकरण का चलना और बंद होना,ध्वनि संचालित वाहन, रोबोट ,अर्नत कुर्आ , डैम का मॉडल ,कचरे से बिजली उत्पादन ,नदी तालाब की सफाई करने वाली मशीन,



रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सिक्वोरिटी अलार्म, चुंबकीय ट्रेन, भारतीय अर्थशास्त्र से संबंधित मॉडल ,शारीरिक संरचनाओं को समझाए हुए मॉडल ,सौरमंडल, लावा लैंप कुत्रिम रक्त रंग तथा विभिन्न रासायनिक प्रक्रिया से संबंधित मॉडल,संयुक्त लाइब्रेरी का कॉन्सेप्ट से संबंधित मॉडल, बच्चों के द्वारा बनाई गई मूर्ति, कक्षा 1 से 12वीं तक के बच्चे के द्वारा बनाई गई कलाकृति आकर्षण का केंद्र था।

प्रदर्शनी में बच्चों ने स्वागत गान, झारखंडी नृत्य, शास्त्रीय नृत्य,विहू नृत्य, कथक नृत्य,उप शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत,एकल गायन और एकल नृत्य की विहंगम प्रस्तुति कर शमा बांध दिया। मासिक धर्म, भ्रूण हत्या,दहेज प्रथा और बाल श्रम पर आधारीत अग्निजी में नुककड़ नाटक को सबों ने बहुत सराहा। विद्यालय के प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि विद्यार्थियों के बीच रचनात्मक और

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत सिविल सर्जन, देवघर डॉ॰युगल किशोर चौधरी एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी सह-एन॰सी॰डी॰ नोडल पदाधिकारी, डॉ॰ मनोज गुप्ता के निर्देशानुसार दिनांक 07/12/2024, दिन शनिवार को राजकीय कृत उत्कर्मित उच्च विद्यालय, जमुनिया,मोहनपुर,देवघर में तंबाकू निषेध पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस खतरनाक आदत से दूर रखना है। इस कार्यक्रम में बच्चों को तम्बाकू से होने वाले बीमारियों जैसे कैंसर, अस्थमा, लकवा, श्वास संबंधित बीमारी के बारे में चर्चा की गयी, तथा इससे होने वाले आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभाव के बारे में भी बतलाया गया । विद्यालयों के अंदर और बाहर दोनों स्थानों पर साकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए का प्रयास किया गया साथ ही साथ कोटपा 2003 अधिनियम से संबंधित प्रावधानों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया इसमें बतलाया गया की तंबाकू नियंत्रण अधिनियम कोटपा-2003 अधिनियम से संबंधित प्रावधानों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया इसमें बतलाया गया की तंबाकू नियंत्रण अधिनियम कोटपा-2003 के मुख्यतः चार धाराओं के बारे में बिस्तर से बताया गया । सर्व प्रथम धारा 4 के बारे में बतलाया गया कि तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 4 के अनुसार किसी भी स-



र्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है तथा इसके उल्लंघन करने पर 200 तक का जुमाना वसूला जा सकता है । धारा 5 में बतलाया गया कि तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 5 के अनुसार किसी भी तंबाकू उत्पादकों के प्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष विज्ञापन प्रोत्साहन एवं तंबाकू कंपनियों द्वारा किसी इवेंट का प्रयोजन करना अथवा स्पॉन्सरशिप करना प्रतिबंध है, इसके उल्लंघन करने पर 1000 तक का जुमाना अथवा 2 साल तक का करवास अथवा दोनों हो सकता है । धारा 6 ए, तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 6ए के अनुसार किसी भी अवयस्क या बच्चों को तंबाकू उत्पादन बेचना या उसके द्वारा बेचवाना प्रतिबंध है इसके लिए उल्लंघन करता को 200 तक का जुमाना लिया जा सकता है । तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 6बी के अनुसार किसी भी शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादन बेचना अपराध है, तथा उल्लंघन करता के द्वारा 200 तक का जुमाना वसूला जा सकता है । तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 7 के अनुसार

किसी भी तंबाकू उत्पादकों के पैकेट के मुख्य भागों पर 85% हिस्से पर चित्रित स्वास्थ्य चेतावनी के बिना नहीं बचा जा सकता है तथा ऐसे उल्लंघन करने पर 5000 तक का जुमाना तथा 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों हो सकता है । कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को तंबाकू दुष्गन्धिपान के बारे में बड़े ही रोचक तरीके से समझाया गया, साथ ही साथ बच्चों के बीच तम्बाकू निषेध पर भाषण प्रतियोगिता कराई गई जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे प्रदर्शित किए गए,मनोज टुडू,उषा कुमारी अन्य पांच को एन॰सी॰डी॰ कोषाग, देवघर द्वारा पुरस्कृत किया गया । तंबाकू नहीं खाने की शपथ भी दिलाई गई कार्यक्रम के अंत में बच्चों को तंबाकू सेवन नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई । कार्यशाला में स्कूल के प्रचार विकाश कुमारी,बेबी कुमारी एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला परामर्शी अभिमन्यु दागी, विजय सिंह एवं अन्य शामिल थे।

उपायुक्त ने की बोरियों प्रखंड के पहाड़पुर बोरियों आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा बोरियों प्रखंड के पहाड़पुर बोरियों आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर राम पुर , उ०म० विद्यालय पथरघट्टा का औचक निरीक्षण किया।उपायुक्त के द्वारा पहाड़पुर बोरियों आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण के क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बहुत ही दैनिय स्थिति में पाई गई। वहीं आरोग्य मंदिर में साफ-सफाई, पानी, शौचालय जैसी मुलभूत सुविधाओं की कमी पाई गई। प्रतिनियुक्त अट्ट के द्वारा बताया गया कि आरोग्य मंदिर में कोई भी उल्लङ्घ प्रतिनियुक्त नहीं है, वहीं उपायुक्त ने बोरियों टडकठ को आरोग्य मंदिर में उल्लङ्घ को प्रतिनियुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही संबंधित क्षेत्र के प्रधान मुखिया, पंचायत सचिव को अपने कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया।आयुष्मान प्रसव गृह केन्द्र प्रभु जिरूल का निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा प्रसव कक्ष का जायजा लिया । अट्ट के द्वारा आयुष्मान प्रसव गृह केन्द्र में विभिन्न



उपकरणों से उपायुक्त को अवगत कराया गया जो अधिक महत्वपूर्ण है। वहीं उपायुक्त ने सभी उपकरणों को जल्द ही उपलब्ध कराने हेतु सिविल सर्जन को पत्र प्रेषित करने हेतु कहा गया।उ०म० विद्यालय पथरघट्टा, उ०म० विद्यालय शहरपुर का निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा बच्चों की उपस्थिति, बच्चों की दी जा रही भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।वहीं उपायुक्त के द्वारा बोरियों प्रखंड के देव पहाड़ क्षेत्र के पहाड़िया गांव कुशताड़ का निरीक्षण किया ।

वहां उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के द्वारा निर्मित किए गए जल आपूर्ति कार्यों का जायजा लिया। वहीं मुखिया द्वारा बताया गया कि बनाए गए जल मीनार की मरम्ती कराना आवश्यक है। उपायुक्त ने निर्देश करते हुए संबंधित पंचायत सचिव को 15 वीं वित्त की राशि से मरम्ती का कार्य पूर्ण करने को कहा।पहाड़िया कल्याण दिवाकालिन प्राथमिक विद्यालय बोरियों का निरीक्षण किया गया। उपायुक्त विद्यालय कि भैतिक स्थिति के सुधार हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वाहन के धक्के से मोटर साइकिल सवार युवक की मौत हुई

रिपोर्ट -निशांत कुमार

औरंगाबाद/ हसपुरा प्रखंड क्षेत्र के पचरखिया बाजार के देवहरा रोड में एक विंगर के धक्के से बाइक से आ रहे 32 वर्षीय सत्येंद्र चौधरी नामक युवक की मौत घटनास्थल पर हो गई।घटना शुक्रवार की रात की बताई जा रही है। मृतक गया जिले के मानपुर तकि्या बुनियादी गंज गांव का रहने वाला बताया जा रहा है।घटना के बाद वाहन छोड़कर कर चालक फरार हो गया। ग्रामीण आक-शित हो गए तथा विंगर में आग लगा दिया।खबर मिलते ही पुलिस



की 112 वाहन की गश्ती घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस पर नजर पड़ते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए।फिर हसपुरा थाना,गोह,पौथु तथा खुदवां

थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।पुलिस के समझाने से ग्रामीण शांत हुए।व्ता दें कि मृतक अपने ससुराल कोइलवाँ गांव के करण बिगहा टोले में रहता था।वह बीती रात बाइक से अपने ससुराल कोइलवाँ गांव से पचरखिया की तरफ आ रहा था।जबकि विंगर देवहरा की तरफ जा रही थी।इसी दौरान वाहन ने बाइक में धक्का मार दिया। मामले में स्थानीय थाना में मामला दर्ज किया गया है।घटना को लेकर मृतक के ससुराल भगल चौधरी के यहाँ कोहराम मच हुआ है।हो रोकुर बुरा हाल है।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में रेडकॉस की प्रबंध एवं कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित किया गया



रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी के अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में रेडक्रॉस की प्रबंध एवं कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा रेडक्रॉस की प्रबंध एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा रेडक्रॉस द्वारा विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। वित्तीय

प्रबंधन, रक्त अधि कोष (ब्लड बैंक) के बारे में भी जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा दाउदनगर उपकारा के बिस्तार पर भी चर्चा किया गया। साथ ही साथ जिला पदाधिकारी द्वारा रेडकॉस के सदस्यों से अवैध क्लिनिकों के संचालन के रोक्थाम के लिए सहयोग का अपेक्षा किया गया। इस बैठक में वरीय उप समाहर्ता श्रीमती रत्ना प्रिदर्शनी एवं रेड क्रॉस के सदस्य मौजूद रहे।

मवेशी तस्करी के खिलाफ बिचकोडवा पुलिस ने की बड़ी कार्यावाही,दो वाहनों से 16 मवेशी किया जप्त

दिव्य दिनकर/संवाददाता रोहित कुमार

चकाई:मवेशी तस्करी के खिलाफ बिचकोडवा पुलिस ने शनिवार की सुबह बड़ी कार्यावाही की है। पुलिस की इस कार्यावाही से मवेशी तस्करों में हड़कंप मच गया है। बिचकोडवा पुलिस ने शनिवार को चितरडीह मोड़ से दो पिकअप में क्रूरतापूर्वक लटे 16 मवेशी को जप्त किया है साथ ही मवेशी तस्करी में लगे कार व्यक्तिको गिरफ्तार किया है पिकअप वाहन को जप्त कर लिया है। बिचकोडवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पुअनि महेश्वर दास के द्वारा गश्ती किया जा रहा था गरित के क्रम में शनिवार की सुबह करीब पौने पांच बजे धरुथिया गांव की ओर से आ रही थी तभी पुअन सूचना मिली कि सरोन के तरफ से दो पिकअप पर मवेशी लादकर तस्करी हेतु ले जाया जा रहा है उक्त सूचना को वरीय पुलिस पदाधिकारी को सूचित करते हुए आदेशानुसार सूचना का सत्यापन हेतु कि चितरडीह मोड़ की तरफ बढ़ा ता देखा कि दो पिकअप दुलपुर की ओर से आ रहा है जिसे मोड़ के पास गश्ती करने के द्वारा दो पिकअप को रोका गया। जिसके बाद दोनों पिकअप वाहनों को पुलिस अभिक्षा में लेते हुए तलाशी ली गई तो रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 11 टी 2780 वाहन के बाँडी में



लदा कुल 8 बैल लदा हुआ पाया गया एवं दूसरी पिकअप वाहन जिर-त्का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 10 बीडब्ल्यू 6652 के पिकअप के बाँडी में कुल 8 बैल अवैध तरीके से लदे हुए पाए गए उक्त मवेशी के संबंध में पकड़ाए व्यक्ति के द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। पिकअप के फर्श में पर्याप्त मात्रा में मिट्टी एवं पुआल नहीं रहने के कारण मवेशी फिसल फिसल कर चोटिल हो गए थे। सभी मवेशी डाला के ऊपरी भाग में रस्सी से बंधे हुए थे जो अनावश्यक पीड़ा महसूस कर रहे थे। गाड़ी के केविन में प्राथमिक उपचार का व्यवस्था भी नहीं था सभी जानकर भूखे व्यासे लगा रहे थे और हाफ रहे थे ये सभी पुअन अत्याचार निवारण अधिनियम 1960 के विरुद्ध पाया जाने पर जती सूची बनाकर पकड़ाए व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तारी

किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति चालक दिलशाद शेख पिता जाकिर शेख,उपचालक गुज्जर मियां पिता अली बक्कास,चालक सह पशु मालिक मो मासूम पिता स्व मिस्टर आजाद तीनों साकिम खराबडीहा, थाना जमुआ मो शेरू सा,थाना गिरि-डीह सभी जिला गिरिडीह का बताया गया। जप्त सभी मवेशियों को निजी गौशाला ग्राम बलियाडीह,थाना झाझा जिला जमुई के निवासी मो रसीद अंसारी को निजी जिम्मेनामा पर सु-रक्षार्थ रखने के लिए सुर्दई किया गया वहीं जप्त पिकअप को बिचकोडवा थाना लाया गया तथा गिरफ्तार व्यक्तियों पर केस दर्ज कर आगे की कार्यावाही की जा रही है। मालूम हो मवेशी तस्करी घड़ल्ले से जारी है पुलिस की लगातार कार्यावाही के बावजूद मवेशी तस्करी का धंधा रुकने को नाम नहीं ले रहा है।

ग्रामीण एसपी महोदय के नेतृत्व में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन

धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कपील चौधरी के नेतृत्व में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें वरीय पदाधिकारी समेत विभिन्न थाना क्षेत्र के सभी प्रभारी व ओपी प्रभारी मौजूद थे ' मुख्यालय सभागार में आयोजित बैठक के दौरान कई महत्पूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी ' बैठक के दौरान ग्रामीण एसपी द्वारा पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया की विभिन्न थानों में दर्ज लॉबित मुकदमों की जांच में तेजी लाई जाए और तय समय में चार्जशीट समाप्त की जाए। महोदय ने स्पष्ट कहा कि विधानसभा चुनाव में व्यस्तता के कारण सभी थानों में लॉबित मामले को सजाते में लेते हुए यथाशीघ्र उसका निषादन किया जाये। राष्ट्रीय राजमार्ग पर निरंतर हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एसपी महोदय ने चिंता व्यक्त कर निरंतर हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एसपी महोदय ने चिंता व्यक्त करने का निर्देश दिया। ग्रामीण एसपी महोदय ने सभी थाना प्रभारियों को पुख्ता और प्रभावी बनाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने थानों में पेंडेसी कम करने, भगोड़े अपराधियों की धरपकड़ तेज करने के साथ सम्बन्ध बनाकर सड़क हादसों को रोकने व क्षेत्र को जाम मुक्त करने की दिशा में टोस कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। इसके अतिरिक्त ग्रामीण एलायंस द्वारा दुष्कर्म, महिला व बाल उत्पीड़न एवं डडउरड एक्ट के तहत दर्ज मामलों को गंभीरता पूर्वक



लेते हुए निर्धारित अवधि में जांच पूरी कर रिपोर्ट समाप्त करने का निर्देश भी सभी थाना प्रभारी व अनुसन्धानकर्ताओं को दिया गया ' महोदय ने संगठित अपराध करने वाले अपराधियों से जुड़े विभिन्न मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए सभी अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु कार्रवाई को तेज करने का निर्देश दिया ' इसके साथ ही माननीय न्यायालय द्वारा नित्त वारंट व कुर्की के आदेश को यथाशीघ्र तमिला करने को कहा ' बैठक में अधिकारियों को कानून व्यवस्था को पुख्ता और प्रभावी बनाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने थानों में पेंडेसी कम करने, भगोड़े अपराधियों की धरपकड़ तेज करने सहित मादक पदार्थों को तस्करी करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर लॉटरी, जुआ, सट्टा, अवैध शराब व मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित

करने का निर्देश भी दिया। बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों को सघन जांच के दौरान अपराधियों की धरपकड़, अवैध हथियारों की बरामदगी, अवैध मादक पदार्थों के धंधेबाजों की धरपकड़ तेज करने के लिए विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने की बात कही। महोदय ने सभी पदाधिकारियों को नशे के कारोबार पर लगातम कसने को कहा साथ ही उन्होंने एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों का अक्षर-शः पालन करने का निर्देश भी दिया । इसके अतिरिक्त सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने को कहा गया ताकि चोरी व लूट जैसे वारदतों को पूरी तरह रोका जा सके । बैठक में एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह, एनडीपीओ निरसा रजत माणिक बाखला, डीएसपी मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी विधि व्यवस्था श्री नौशाद आलम, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा पंचायतों का निरीक्षण

उपरांत उनके द्वारा मुखिया एवं पंचायत सचिव के साथ बैठक किया गया तथा सभी को पंचायत वासियों के सभी कार्यों (आनलाईन तथा कार्यों को) को पंचायत कार्यालय से सम्पन्न कराने का निर्देश दिया । पदाधिकारी द्वारा सभी पंचायत सचिव को पंचायत कार्यालय के

पूर्ण रूप से साफ सफाई का विशेष ध्यान देने तथा पंचायत सचिवालय को प्रतिदिन खोलने का सख्त निर्देश दिया गया। मौके पर प्रभारी जिला समन्वयक संदीप कुमार तथा प्रखंड समन्वयक अभिजीत कुमार तथा मुखिया एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

रणधीर पनिहार को जिताकर नलवा हलके की जनता ने निभाया पारिवारिक रिश्ता : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी
हिसार। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में हलके से चौ. भजनलाल परिवार के सदस्य रणधीर पनिहार को जिताकर क्षेत्र की जनता ने पारिवारिक रिश्ता निभाया है। रणधीर पनिहार नेकदिल, मेहता और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं उन्हें चुनकर जनता ने समझदारी भरा फैसला लिया है। कुलदीप बिश्नोई नलवा हलके के विधायक रणधीर पनिहार के साथ क्षेत्र का धन्यवादी दौरा कर रहे थे। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी हमारा यह पारिवारिक रिश्ता यूं ही बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तथा केंद्र में भाजपा की सरकार है। इस डबल इंजन की सरकार में आपके खूब काम होंगे। आदमपुर में दो साल के दौरान 800 करोड़ रुपये विकास कार्यों में लगाए थे। उससे भी दोनाना रफार से नलवा हलके में विकास कार्य होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में बहुत ही अच्छे ढंग से शासन चला रहे हैं और पूरे प्रदेश में भेदभाव के बिना विकास कार्य करवा रहे हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छूणा इसकी पूरी आशा है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि नलवा हलके की जनता ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे निभाने में वे किसी प्रकार की कमी नहीं आने देंगे।

आरएस कुंडू ने संमाला मौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार

हिसार। गुरु जन्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. कुंडू ने कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व कुलसचिव प्रो. विनोद छेकर के साथ भौतिकी विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों सहित भेंट की। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दी तथा विभाग के विकास व प्रगति के लिए उत्कृष्ट प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रो. कुंडू और उनकी टीम से नवीनतम वैश्विक शोध प्रवृत्तियों के अनुरूप अधिक शोध प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया। कुलसचिव प्रो. विनोद छेकर ने भी प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दीं। प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वे इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे तथा विभाग व विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। प्रो. कुंडू 2005 में इस विश्वविद्यालय में शामिल हुए और 2017 से प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। उनके नाम 100 से अधिक शोध पत्र हैं और उन्होंने लगभग 60 अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। उनके मार्गदर्शन में 10 शोधार्थियों ने अपनी पीएचडी की डिग्री पूरी की है। प्रो. कुंडू ने कई वित्त पोषित शोध परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. नीतू अहलावत, डॉ. रमेश, डॉ. हरदेव, डॉ. डेविड जोसेफ, डॉ. विवेक गुप्ता और अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 650 नई बसें

चंडीगढ़। हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन सेवा को और सुदृढ़ करते हुए हरियाणा रोडवेज के बेड़े में जल्द ही 650 नई बसें शामिल की जाएगीं। इनमें 150 ऐसी तथा 450 नॉन ऐसी बसें शामिल हैं। इन बसों की खरीद पर लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) में इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई है। उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) तथा हाई पावर्ड वर्कस परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल मिलाकर 1329 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलियोंवालाओं से नेगोसिएशन के बाद दूरे तय करके 38 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, महोपल डॉ.डॉ. विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, गुणबीर गंगवा और श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में पीएमश्री योजना और समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 801 सरकारी स्कूलों में 4 प्रकार की आईसीटी लैब्स की स्थापना करने को भी मंजूरी प्रदान की गई।

भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा : ओम प्रकाश धनखड़

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि जो सेना शांतिकाल में लगातार अभ्यास करती रहती है, वही युद्ध जीतती है। यह बात उन्होंने रोहतक पहुंचकर पार्टी कार्यालय मंगल कमरा में गढ़ी-सांपला-फिकलॉई विधानसभा के कार्यकर्ताओं के बीच कही। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आग्रह किया। इससे पहले राष्ट्रीय सचिव ने महाम विश्वाससभा के कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकर्ताओं से 9 दिसंबर को प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को पानीपत ले जाने की भी अपील की। राष्ट्रीय सचिव ने बैठक के बाद मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमें अपने-अपने बूथों को और अधिक मजबूत करना है।

बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ गरजे कर्मचारी

एजेंसी
हिसार। नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज रूंड इंजीनियर ने चंडीगढ़ बिजली विभाग व यूपी के आगरा व वाराणसी डेक्कॉम को निजी हथों में सौंपने के विरोध में देशभर में रोष प्रदर्शन किया। इसी के तहत ऑल हरियाणा गवर्न कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन की सैटी हिसार, मॉडल टाऊन, सिविल लाइन और टीएस सब यूनित ने इस नेगर्ण के खिलाफ गेट मीटिंग की गई। मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनित प्रधान सुरेंद्र फौजी व सुशील ने किया तथा संचालन सचिव अंकित पुनिया व जयकुमार ने किया। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनित प्रधान सुरेश रोहिल्ला व सचिव अनिल वर्मा, केंद्रीय कमेटी के सदस्य अशोक सैनी व दिलगामा जंगड़ा ने कहा कि बिजली विभाग के निजीकरण की प्रक्रिया में कई गड़बड़ियां की गई हैं, इसलिए इसको हट कर देना चाहिए। उन्होंने आगे लाया है कि एमिटेड इलेक्ट्रिसिटी डेस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (ईईडीएल) के पास मई 2022 की ऑडिटर रिपोर्ट के मुताबिक कोई संपत्ति,



मुनाफा कमा रहा है और हर साल इसमें बढ़ोतरी हो रही है। बिना किसी आधार के निजीकरण कर संकट पैदा किया गया है। उन्होंने बताया कि जिस दिन कंपनी को को टेकओवर करेगी, उसी दिन हरियाणा में भी बिजली कर्मा चंडीगढ़ के बिजली कर्मचारियों के समर्थन में काम का

तंजानिया ने आईटी और खेल क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण के लिए हरियाणा से मांगा सहयोग

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में संयुक्त गणराज्य तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में जांजीबार-तंजानिया की सूचना, संस्कृति, कला, युवा मामले और खेल मंत्री सुश्री ताबिया मौलद माविता और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के उच्चायोग के पूर्णाधिकारी मंत्री फानुएल मथिया शामिल थे।

इस दौरान हरियाणा और तंजानिया के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में भागीदार देश के रूप में तंजानिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के माध्यम से हरियाणा और तंजानिया के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत

करने में हरियाणा सरकार के प्रयासों की सराहना की। चर्चा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा



के सहयोग से आईटी क्षेत्र में लगभग तीन लाख पेशेवरों के कौशल प्रशिक्षण में गहरी रुचि व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा

नई शिक्षा नीति सबसे पहले हरियाणा में लागू होगी: बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्ति से ही हमारे बच्चे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। विद्यार्थियों को नौकरी की बजाय स्व-रोजगार की ओर अधिक ध्यान देना चाहिए। इस युग में वही प्रदेश आगे बढ़ता है, जो अपने बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करता है। वे यहां सेक्टर सात स्थित जी.ए.वी. इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से ही जीवन में आने वाली चुनौतियों को साहसपूर्वक सामना किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सशक्त नेतृत्व में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार

है। यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों में स्कूल के समय से ही कौशल विकास उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करती है। नई शिक्षा नीति की यह विशेषता है कि वर्ष 2030



तक विद्यार्थी अपनी मातृ भाषा में ही एम.बी.बी.एस., एम.बी.ए., बी.टैक, बी.एड जैसे महत्वपूर्ण विषय में डिग्रीयां हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मेदेव ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा की पावन धरती पर लगभग पांच साल पहले भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। आज हरियाणा सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं, जिनका उपयोग तंजानिया के आईटी पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पलवल में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और गुरुग्राम में हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान इस उद्देश्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कौशल संवर्धन हेतु महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने खेलों के क्षेत्र में हरियाणा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की भी सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने दार-एस-सलाम, डोडोमा और अरुसा क्षेत्रों में अपने तीन स्टैडियमों के लिए हरियाणा से कोच और प्रशिक्षकों की व्यवस्था करने के लिए सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

रियाणा का किसान सरकार की नीतियों से पूरी तरह से खुश: कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी
रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में बाबासाहेब डा. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने भारत ने ही नहीं पूरे विश्व को एवं समूचे मानव जाति के जीवन को आलोकित किया। भारत राष्ट्र सदैव बाबासाहेब को ऋणी रहेगा। बाबासाहेब भारत में लोकतंत्र को जीवित एवं जीवत रखने वाले प्रणेता थे। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के जरिए राष्ट्र के नागरिकों को न केवल मताधिकार बल्कि अन्य कल्याणकारी नीति एवं प्रावधान दिए। भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही युवा वर्ग से उन्होंने आह्वान किया कि डा. अंबेडकर



योगदान दे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने एमडीयू में भारत रत्न बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा अनावरण भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसानों के दिल्ली कूच को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि हरियाणा का कोई भी

निगम गुरुग्राम में समाधान शिविर में 15 शिकायतें आईं, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में मुख्य रूप से सीवेरेज, पेयजल, सड़क व अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनकी समयसीमा निर्धारित कार्याधीन अधिकारियों को आगामी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए हैं। समाधान शिविर में पहुंचे सरस्वती एनक्लेव आरडब्ल्यूके के पदाधिकारियों ने किसानों को इस प्रस्ताव की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र की कई समस्याएं समाधान शिविर के माध्यम से दूर हो गईं हैं। उन्हें आशा है कि अन्य शिकायतों का समाधान भी जल्द ही होगा।

रियाणा का किसान सरकार की नीतियों से पूरी तरह से खुश: कृष्ण कुमार बेदी

के बारे अध्ययन कर उनकी भूमिका तथा उनके योगदान को जानने का प्रयास करें और सामाजिक उद्यान में अपना योगदान दे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने एमडीयू में भारत रत्न बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा अनावरण भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसानों के दिल्ली कूच को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि हरियाणा का कोई भी

किसान आंदोलन नहीं कर रहा है। पंजाब की कुछ जत्थेबादियों के मसले हैं जो केंद्र के साथ ही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने अनेक योजनाएं लागू की हैं और पकित में खड़े अतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हालांकि हरियाणा द्वारा किसानों को दिल्ली कूच के लिए प्रस्ताव देने के सवाल को मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अनसुना कर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार पहले ही सबसे अधिक फसले एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि संविधान के नाम पर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है और अब लोक कांग्रेस के झूठ को पहचान चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है। इस अवसर पर पूर्व मंत्रालय मनमोहन गोयल, एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

असम के लिए निकला 24 लाख रुपये का प्लाई बोर्ड से भरा ट्रक चोरी

एजेंसी
यमुनानगर। 27 दिन पहले यमुनानगर से असम के लिए करीब 24 लाख रुपये का प्लाई बोर्ड और सनमाइका लेकर निकले ट्रक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। जिसको लेकर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने पहुंचा। यमुनानगर के पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल से उद्योग व्यापार मण्डल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मण्डल मिला। पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में प्लाई बोर्ड व्यापारी मनीष अग्रवाल एवं उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने संयुक्त रूप से बताया की उन्होंने 27 दिन पहले सनमाइका से भरा एक ट्रक आसाम भेजा था जो आज तक भी वहीं नहीं पहुंचा।

व्यापारी मनीष अग्रवाल ने बताया 9 नवंबर को इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उनकी योगेश लेमिनेट्स नामक फैक्ट्री से एक ट्रक लगभग 24 लाख रुपये का सनमाइका और प्लाई बोर्ड अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। जिसको लेकर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने पहुंचा। यमुनानगर के पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल से उद्योग व्यापार मण्डल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मण्डल मिला। पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में प्लाई बोर्ड व्यापारी मनीष अग्रवाल एवं उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने संयुक्त रूप से बताया की उन्होंने 27 दिन पहले सनमाइका से भरा एक ट्रक आसाम भेजा था जो आज तक भी वहीं नहीं पहुंचा।

शिकायतकर्ता ही असंतुष्ट तो दोबारा करें मामले की जांच, झूठी गिरफ्तारी न करें : एसपी शशांक कुमार सावन

एजेंसी
हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों से कहा है कि वे अपने क्षेत्र में अपना प्रभाव कायम करें। पुराने अपराधियों का रिकॉर्ड रखें व अपराधिक किस्म के व्यक्तियों को पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आदतन अपराधियों पर विशेष रूप से नजर रखें और समय-समय पर उनके बारे पड़ताल करते रहे। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मैसेजिंग पुलिस के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों व अपराध युनिट प्रभारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर दिन विभागीय जांच की कार्रवाई

समायाधि में पूरी हो। सभी अपने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले



मोटरसाइकिल पर पटाखे बजाने वालों पर कार्रवाई करते हुए सदिध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच करें। रात्रि समय में प्रभावी गश्त कर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर दिन विभागीय जांच की कार्रवाई

थानों में लगातार विजिट करें। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस के पास आई शिकायतों के फीडबैक की समीक्षा की। जिन शिकायतों में शिकायतकर्ता पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट थे उनमें संबंधित को लातड़ते हुए उचित कार्रवाई के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्यालय या पुलिस

विश्वकर्मा कौशल विवि के वीसी व बीबी भारती बने सीएम के ओएसडी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री के लिए दो और ओएसडी नियुक्त किए हैं। सीएमओ में तीन एचसीएस अधिकारियों को सीएम का ओएसडी पहले से लगाया हुआ है। मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने राज नेहरू और भारत भूषण भारती को मुख्यमंत्री को ओएसडी नियुक्त करने संबंधी आर्डर जारी किए हैं। भारती पहले भी सीएमओ में सेवा दे चुके हैं। अक्टूबर-2014 में सता में आने के बाद भाजपा ने भारत भूषण भारती को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया था। चयन आयोग में उनका कार्यकाल कई बार विवादों में भी रहा। उनकी जगह जब भोपाल सिंह खदरी को आयोग का चेयरमैन बनाया गया तो भारती को उस समय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खड्ग का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इसके बाद वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भी राजनीतिक सलाहकार रहे। अब नायब सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्हें मुख्यमंत्री

का ओएसडी नियुक्त किया है। वहीं दूसरी ओर, राज नेहरू की पहली बार सीएमओ में एंटी हुई हैं। प्रशासनिक और अकादमिक अनुभव रखने वाले डॉ. राज नेहरू शिक्षाविद के साथ बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तित्व हैं। नेहरू का दो दशक से भी ज्यादा कार्पैरेट का अनुभव है। वे आईबीएम और कॉन्सॉल्टिंग जैसी कंपनियों में बड़े पदों पर रह चुके हैं। डॉ. नेहरू देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति हैं। कौशल क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव है, इससे पहले वे कौशल विकास निगम के मिशन डायरेक्टर रह चुके हैं। डॉ. राज नेहरू यूजीसी और एआईसीटीई सहित देश के बड़े संस्थानों के सदस्य हैं और उन्हें भारत में उच्च शिक्षा में कौशल का मॉडल विकसित करने का श्रेय जाता है। 2016 में उन्हें श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। उनके पास दो अन्य विश्वविद्यालयों का भी अतिरिक्त प्रभार रह चुका है। राज नेहरू जाने-माने लेखक भी हैं। अभी तक उनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

सफीदों-असंध बाईपास टी-प्लायंट पर बंद दुकान में घुसी कार, कार सवार दोनों युवकों की मौत

एजेंसी
जौड़। सफीदों नगर के सफीदों-असंध बाईपास टी-प्लायंट पर रात को एक कार वहां पर बनी दुकान में जा चुकी। इस घटना में कार व दुकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई तथा कार में सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें पीछे-पीछे आ रही कार में सवार में उनके दोस्त उन दोनों को निकाल कर पानीपत स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरासी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। गनीमत तो यह रही कि दुकान में उस वक्त कोई नहीं था। मामले की सूचना पुलिस को दे गई है। मिली जानकारी के अनुसार सफीदों में किसी शादी समारोह में शिरकत करने के लिए आदित्य व राहुल अपने कुछ दोस्तों के साथ आए हुए थे। शादी में शिरकत करके रात करीब 11 बजे कार के माध्यम से वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार नगर के असंध रोड टी प्लायंट पर पहुंची तो उनकी कार अनियंत्रित

हो गई और वह सीधे वहां पर बनी एक दुकान में जा चुकी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दुकान का अगला हिस्सा गिर गया तथा कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई तथा दूर तक उसकी



आवाज गई। घटना को देख कर राहगीर वहां पर रुके और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इतने में पीछे से उनके दोस्तों की कार आ गई। उन्होंने देखा कि दुर्घटनाग्रस्त कार तो आदित्य व राहुल की है। काफी मात्रा में खून फैला हुआ है तथा गाड़ी के एयरबैग खुले हुए हैं। उन्होंने आनन-फानन में दोनों को बाहर निकाला और उन्हें पहले सफीदों के एक निजी अस्पताल ले गए और वहां से उन्हें पानीपत के एक

निजी अस्पताल में रैफर कर दिया गया। पानीपत में डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना सफीदों पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। जांच अधिकारी एसआई जयबीर ने बताया कि इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई है। युवकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरासी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। आज था आदित्य का जन्मदिन इस घटना में मृतक आदित्य उर्फ लीलू का आज जन्मदिन था।

पहले की तरह पुरजोर ढंग से करवाएंगे आदमपुर का विकास : भव्य बिश्नोई

एजेंसी
हिसार। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने आदमपुर हलके में आधा दर्जन गांवों में कार्यकर्ताओं से संवाद किया एवं गांवों में जारी विकास कार्यों

का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांवों में समरथाए सुनी तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके जनसम्पर्का दूर करने के निर्देश दिए। भव्य बिश्नोई ने गांव जाखोद में बनने जा रहे अस्पताल की बिल्डिंग का

शिलान्यास भी किया। भव्य ने कहा कि आदमपुर में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आयेगी और विकास की रफ्तार और ज्यादा तेज होगी। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पुरक थे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पुरक थे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पुरक थे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पुरक थे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

मो.रफी के भजनों में 'धर्मांतरण' ढूंढते सोनू निगम का 'कॉमन-सेंस' देखिए!

>> विचार

आज भी बनारस में ऐसे लोग मिल जायेंगे जिन्होंने भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को 'मंदिर के सामने शहनाई बजाते' देखा है। विष्णु के अवतारों पर आधारित ध्रुपद गायकी का सबसे प्रसिद्ध घराना डागर बंधुओं का है जो मुस्लिम है। पं. रविशंकर जैसे विश्वप्रसिद्ध सितारवादक और संगीतकार की प्रेरणा और सिद्धि के पीछे उनके उस्ताद अलाउद्दीन खाँ थे। 'आफ़ताब ए सितार' उस्ताद विलायत अली खाँ, मशहूर तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा खाँ और उनके बेटे ज़ाकिर हुसैन, सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खाँ जैसे 'मुसलमानों' को दरकिनार करके क्या भारतीय शास्त्रीय संगीत की बात भी हो सकती है? यह आश्चर्य की बात है कि भारतीय परंपरा में रची-बसी सच्चाई सोनू निगम जैसे लोगों को 'आश्चर्यचकित' कर रही है।

पंकज श्रीवास्तव

गोवा में आयोजित 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में सोनू निगम ने हिंदुस्तानी फिल्म संगीत परंपरा में 'अमरत्व' हासिल कर चुके दिवंगत महान गायक मो. रफी साहब को जिस अंदाज में श्रद्धांजलि दी वह हैयान करने वाला है। सोनू निगम ने कहा कि "वो नमाजी आदमी थे। मुसलमान थे फिर भी भजन गाते थे जैसे कोई हिंदू गा रहा हो। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर वो गायकों में धर्म-परिवर्तन कैसे कर लेते थे? फिल्मों में आने से पहले स्टेट पर मो. रफी को सुरों की नकल करके पहचान बनाने वाले सोनू निगम ने अपनी समझ से मो. रफी की प्रशंसा ही की थी, लेकिन उनके शब्द बताते हैं कि वे एक बड़ी 'नासमझी' के शिकार हो चुके हैं। कुछ समय पहले सुबह की अजाजान से भी तकलीफ़ जता चुके सोनू निगम का बयान दरअसल उस 'नव-हिंदू का बयान है जिसके 'कॉमन सेंस' का एक राजनीतिक अभियान ने अपहरण कर लिया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस 'नव-हिंदू' की नज़रों पर हिंदू-मुस्लिम बाइपरी का चर्चा उठी तब चढ़ा दिया गया है जैसे कि तंग के घोड़ा की आँख पर चमड़े की पट्टी (हॉर्स ब्लाईंडर्स) चढ़ा दी जाती है ताकि उसकी दृष्टि 180 डिग्री देखने के बजाय महज 30 डिग्री तक सीमित हो जाये। वह अगल-बगल कुछ न देखकर सामने के रास्ते को ही देख पाता है। 'नव हिंदू' भी 'हिंदू-मुस्लिम' के अलावा कुछ देख पाने में असमर्थ है। सोनू निगम को आश्चर्य हो रहा है कि मो. रफी 'मुसलमान' और 'नमाजी' होने के बावजूद 'भजन' कैसे गा लेते थे? सोनू निगम के इस वाक्य पर गौर करना चाहिए जिसमें वे पूछ रहे हैं कि 'मो. रफी गायकी में धर्म परिवर्तन कैसे कर लेते थे?' दरअसल, सोनू निगम फिल्म संगीत का इतिहास भूल चुके हैं, वरना यह उन्हें बेहद सहज बात लगती। 'मन तडपत हरि दर्शन को आज' जैसे श्रेष्ठतम फिल्मी भजन को 'मुसलमान' मो. रफी ने ही नहीं गाया था, इसे लिखा भी एक मुसलमान ने था जिसका नाम था शकील बदरुनी और सुरों से सजाने वाला संगीतकार भी मुसलमान था, यानी नोशाद। इन लोगों ने ऐसी न जाने



कितनी रचनाएँ 'पक्का मुसलमान' रहते हुए ही की थी। उन्हें इसके लिए 'धर्म-परिवर्तन' की जरूरत नहीं पड़ी थी। उनके लिए 'सुर' और 'शब्द' उस ईश्वर से लौ लगाने का ज़रिया थे जो हिंदू-मुसलमान सभी का है। वे अपने हुनर को साधते हुए वहाँ जा पहुँचे थे जहाँ इस्लाम का तीर्थ (अल्लाह एक है, दूसरा कोई नहीं) और 'एक' अहं द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति' (मैं एक ही हूँ, दूसरा कोई नहीं, न हुआ है, न होगा) के अद्वैत सिद्धांत में कोई फर्क नहीं रह जाता। फिल्मों में भजन गाने वाले मुस्लिम गायकों और उसका संगीत सजाने वाले मुसलमानों की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ के अविस्मरणीय भजन 'हरि ओम तत्सम' को सोनू निगम ने सुना न हो, ऐसा हो नहीं सकता। मो. रफी अगर फिल्मी भजनों की सबसे पसंदीदा आवाज़ थे तो शकील बदरुनी ने एक से बढ़कर एक भजन लिखे। 'मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे' और 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दुद भरे मेरे नाले...' जैसे अमर रचनाएँ शकील बदरुनी के कलम से ही निकली हैं। साहिर लुधियानवी का लिखा 'हे रोम-रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी हे अंतर्यामी, मैं तुझसे क्या माँगूँ' को कौन भूल सकता है। नये दौर में जावेद अख्तर ने भी कई मशहूर भजन लिखे हैं। युगोद्योग फ़िल्म की आरती 'वह कृष्ण कन्हैया मुखलीधर, मम्मोहन कुंज बिहारी है, गोपाल मनोहर दु-ख इंजन घनश्याम अतल बनवारी है' मशहूर है जिसमें उन्होंने कृष्ण के

108 नामों का इस्तेमाल किया है। फ़िल्म लगाना का मशहूर गीत 'भयुवन में जो कन्हैया किसी गोपी से मिले, कभी मुस्काने कभी छेड़े कभी बाते करे, राधा कैसे न जले, राधा कैसे न जले' भी जावेद अख्तर की कलम से ही निकला। जावेद अख्तर तो घोषित नास्तिक का तीर्थ (अल्लाह एक है, दूसरा कोई नहीं) और 'एक' अहं द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति' (मैं एक ही हूँ, दूसरा कोई नहीं, न हुआ है, न होगा) के अद्वैत सिद्धांत में कोई फर्क नहीं रह जाता। फिल्मों में भजन गाने वाले मुस्लिम गायकों और उसका संगीत सजाने वाले मुसलमानों की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ के अविस्मरणीय भजन 'हरि ओम तत्सम' को सोनू निगम ने सुना न हो, ऐसा हो नहीं सकता। मो. रफी अगर फिल्मी भजनों की सबसे पसंदीदा आवाज़ थे तो शकील बदरुनी ने एक से बढ़कर एक भजन लिखे। 'मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे' और 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दुद भरे मेरे नाले...' जैसे अमर रचनाएँ शकील बदरुनी के कलम से ही निकली हैं। साहिर लुधियानवी का लिखा 'हे रोम-रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी हे अंतर्यामी, मैं तुझसे क्या माँगूँ' को कौन भूल सकता है। नये दौर में जावेद अख्तर ने भी कई मशहूर भजन लिखे हैं। युगोद्योग फ़िल्म की आरती 'वह कृष्ण कन्हैया मुखलीधर, मम्मोहन कुंज बिहारी है, गोपाल मनोहर दु-ख इंजन घनश्याम अतल बनवारी है' मशहूर है जिसमें उन्होंने कृष्ण के

का सबसे प्रसिद्ध घराना डागर बंधुओं का है जो मुस्लिम है। पं. रविशंकर जैसे विश्वप्रसिद्ध सितारवादक और संगीतकार की प्रेरणा और सिद्धि के पीछे उनके उस्ताद अलाउद्दीन खाँ थे। 'आफ़ताब ए सितार' उस्ताद विलायत अली खाँ, मशहूर तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा खाँ और उनके बेटे ज़ाकिर हुसैन, सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खाँ जैसे 'मुसलमानों' को दरकिनार करके क्या भारतीय शास्त्रीय संगीत की बात भी हो सकती है? यह आश्चर्य की बात है कि भारतीय परंपरा में रची-बसी सच्चाई सोनू निगम जैसे लोगों को 'आश्चर्यचकित' कर रही है। इससे पता चलता है कि उनका 'इतिहास-बोध' ध्वस्त हो चुका है। दिमाग पर कोई भ्रम तारी है और वह पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहा है। यह देश भर में सत्ता संरक्षण में जाय आरएसएस-बीजेपी को संप्रदायिक अभियान का नतीजा है जिसने हिंदुओं से उनका 'कॉमन-सेंस' छीन लिया है। नव-हिंदुओं की यह प्रजाति 'मदरसा' शब्द सुनते ही नफ़रत से भर जाती है जबकि उसके पुरखों ने मदरसे से ही शिक्षा प्राप्त की थी। उसे लगता है कि 'वकूफ़ बोर्ड' जमीन पर कब्ज़ा करने का मुसलमानों का कोई षड्यंत्र है जबकि 'वकूफ़' मुसलमानों द्वारा ही सामाजिक और धार्मिक कार्यों के लिए दान की गयी सम्पत्तियाँ हैं। वकूफ़ बोर्ड उनकी देखरेख के लिए जानवारा गया है और कानून द्वारा संचालित हैं। इस बोर्ड में सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासनिक अफसर और अन्य प्रतिनिधि होते

हैं। इनमें कोई गड़बड़ी है तो वह प्रशासनिक अमले की मिलीभगत से ही मुमकिन है जैसे कि अन्य विभागों में है। लेकिन नव-हिंदू को इस व्हाट्सएप ज्ञान पर यकीन है कि वकूफ़ बोर्ड के पास रेलवे और सेना के बाद सबसे ज़्यादा ज़मीन है और यह जहाँ भी हाथ रख देता है ज़मीन पर कब्ज़ा कर लेता है। जैसे उसे इस बात पर यकीन है कि मुसलमानों को सबक सिखाने के लिए मोदी जी आये हैं जो दरअसल, विष्णु के अवतार हैं। उन्होंने शाब्द तो नहीं पढ़े लेकिन भगवतगीता के श्लोक 'यदा-यदा ही धर्मस्य' में वे मोदी जी के अवतार लेने की भविष्यवाणी देखते हैं। अफ़सोस कि कभी 'आपस में प्रेम करो देशप्रियियों।' गाकर सौहार्द और सद्भाव फेलाने में अहम भूमिका निभाने वाला बॉलीवुड आज नफ़रत के बुखार से तप रहा है। इधर कई ऐसी फिल्में आयी हैं जो मुसलमानों को निशाना बनाते और नफ़रत फेलाने के मक़सद से बनायी गयी। 'बैटिंग तो कटौते' जैसी हिंसक नायकरोपण फिल्मों के प्रति सम्मान जताना असंभव सी बात है। सोनू निगम की हैरानी इसी की बानगी है जो धर्मांधता का नतीजा है। आधुनिक विश्व में हिंदू धर्म का प्रतीक बनकर उभरे स्वामी विवेकानंद ने 'वेदांती मस्तिष्क और इस्लामी शरीर के मेल' को भारत का चिह्न बताते हुए धर्मांधता के खतरे के प्रति अगाह किया था। उन्होंने कहा था कि "धर्मांधता एक भयानक बीमारी है। मनुष्यों में जितनी दुष्ट बुद्धि है, वह सभी धर्मांधता द्वारा जानामी गयी है। इसके द्वारा क्रोध उत्पन्न होता है, स्राव-समूह अतिशय नय जाता है और मनुष्य शेर जैसा हो जाता है। यहाँ शेर से आशय जनरल होने से है। अफ़सोस कि इस दौर में स्वामी विवेकानंद जैसा भगवा चोला पहनने वाले कई नेता और महंत हिंदुओं में इसी जानवर को जानने में लगे हैं। सोनू निगम का 'स्राव-समूह' भी इसीलिए पटना बना सा है और नफ़रत उनके सर चढ़कर मो. रफी के भजनों में 'धर्म-परिवर्तन' खोज रही है।

संपादकीय

जनसाधारण को जागरूकता करने होगा

मिडिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक साल में पांच लाख से ज्यादा सड़क हादसों में लोग अकाल मौत के शिकार हो जाते हैं तो इससे बड़ी चिंता की बात कोई नहीं हो सकती। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जब यह कहते हैं कि लोगों में कानून का डर नहीं है तो सीधे तौर पर उनका संकेत लापरवाह वाहन चालकों की तरफ़ भी है। साथ ही यह भी कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता भी कहीं न कहीं प्रभावित होती है। तभी तो गडकरी ने गलत काम पर ठेकेदारों को बुलडोज़र के नीचे होने की चेतावनी तक दे दी। हादसों के कारण गिनाते हुए मंत्री ने कहा कि पांच लाख में से ज्यादातर मौतें वाहन चालकों की लापरवाही के कारण हुईं। इनमें तीस हजार से ज्यादा दोपहिया चालकों की मौत हेलमेट न लगाने से हुई। इसमें कोई संशय नहीं कि कोई भी अपराध या कोताही सभ्य नागरिक दायित्वों में कमी की तरफ़ इंगित करती है। लेकिन महज कानून बनाकर ही सरकारें अपने दायित्व को पूरा हुआ नहीं मान सकती। हर बार हादसों की रोकथाम के लिए सड़क सुरक्षा माह व सप्ताह जैसे आयोजन होते हैं लेकिन सड़क हादसों के आंकड़े कम होने के बजाए पहले से ज्यादा होते जाते हैं। कारण साफ़ है कि यातायात नियमों की पालना व गुणवत्तायुक्त सड़कों का निर्माण दोनों ही दिशाओं में जितना काम होना चाहिए था उतना नहीं हो पा रहा। व्यवस्था दो तरह से सुधारी जा सकती है। पहली जागरूकता और नागरिकों में समझबूझ विकसित करके तथा दूसरी उनमें यह डर दिखाने कि नियमों का पालन नहीं किया तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। दोनों ही व्यवस्थाओं को जनता को अपने हित का मानकर चलना चाहिए। संदेश उन ठेकेदारों को भी देना होगा जो लालच में आकर सड़कों में लोगों के जीवन से खिलवाड़ करती खामियाँ छोड़ देते हैं। सही मायने में कानून का डर पैदा करना भी तंत्र की ही जिम्मेदारी है। निश्चित तौर पर व्यवस्था में कमियाँ हैं। कानून की पालना करवाने वाले अंगों का लचीला रुख और कई मामलों में भ्रष्टाचार का रवैया भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं है। रही बात आधारभूत संरचनाओं और कई अन्य पहलुओं की। कई मामलों में हमने विदेशी तकनीक का अनुसरण किया है, तो फिर सड़क निर्माण और परिवहन व्यवस्था सुधार में ऐसा क्यों नहीं कर सकते? नवीनतम तकनीक से बनाए गए दिश्री-मुम्बई एक्सप्रेस वे तक में तकनीकी खामियाँ छोड़ दी जाएँ तो इसे क्या कहेंगे? जाहिर तौर पर यातायात नियमों को लेकर जनसाधारण को जागरूक करने के साथ-साथ सिस्टम में घुसे भ्रष्ट तंत्र पर भी नकेल कसनी होगी जो जानलेवा हादसों के लिए जिम्मेदार है।

घटक दलों से सामंजस्य की बनी रहेगी चुनौती

वेद विलास उनियाल

महाराष्ट्र में अपने विस्तार की इच्छा रखने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा के नतीजों के बाद देवेन्द्र फडणवीस के नाम पर शीर्ष नेतृत्व की सहमति होना स्वाभाविक थी। आखिरकार देवेन्द्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। देवेन्द्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में कुर्रियाँ बदल गईं। हालाँकि, प्रचंड बहुमत के बाद महायुक्ति की राज्य सरकार बिजसजता से बन जानी चाहिए थी उसमें एकनाथ शिंदे को सहमत कराने में 11 दिन लग गए। महायुक्ति के प्रचंड बहुमत का श्रेय देवेन्द्र फडणवीस को मिला। उन्होंने हर मोड़ पर शीर्ष नेतृत्व का भी भरोसा जीता। लोकसभा के परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव महायुक्ति के लिए काफी कठिन माना जा रहा था। महाविकास आघाड़ी से अकेले ढाई गुना सीट मिलने पर आभास हो गया था अब बीजेपी नेतृत्व अपने पास ही रखेगी। केवल जातीय समीकरणों की बिसात पर अगर मराठा नेता को नेतृत्व सौंपने की जरूरत होती तब फ़ैसला बदल सकता था। इसके साथ ही यह संदेश दिया है कि पार्टी अपने लक्ष्यों को भूली नहीं है। लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र पर फोकस कर दिया था। निश्चित आरएसएस भी महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ। सीटों के समीकरणों के साथ कार्यकर्ताओं को धरातल पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। सहयोगी दलों के साथ अधिकतम सहमति के सिद्धांत पर काम किया गया। बीजेपी ने जिस सनातन के पहलू पर अपना फोकस किया राज्य में उसकी सबसे बड़ी आविजा देवेन्द्र फडणवीस ही बने। बेशक रणनीतियों पर मुहर शीर्ष स्तर पर लगी हो लेकिन इससे सुत्रधार देवेन्द्र फडणवीस ही रहे। एनडीए की सफलता में लाटुजी बदन योजना, वोट का घुस्नीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने



की असली जिम्मेदारी देवेन्द्र फडणवीस को ही सौंपी गई थी। देवेन्द्र फडणवीस के सामने कई अलग ढंग की चुनौतियाँ भी थी। मराठा आरक्षण की सियासत में एनसीपी नेता शरद पवार अगर किसी को उलझाना चाहते थे तो वह देवेन्द्र फडणवीस ही थे। बेशक राज्य में एनडीए सरकार ने मराठा आरक्षण के मसले को सुझलाने के लिए अपने स्तर पर पहल कर दी थी। लेकिन मराठा आंदोलन में कुछ ऐसे जटिल पंच कसे गए थे कि महाराष्ट्र विदर्भ के इस नेता के लिए यह चक्रव्यूह बन सकता था। देवेन्द्र फडणवीस ने पार्टी के घुस्नीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने

चलाने की कोशिश की। महाराष्ट्र के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर सरकार से दूर हुए तो विपक्ष के तेजतर्रार नेता के बतौर अपनी छवि को सामने रखी। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे के अलग अलग तरह से को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रखी। देवेन्द्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपत्तियों खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक घुरी बने रहते हैं। ऐसे में

मराठा नेता शरद पवार के सामने बीजेपी का कोई नेता दमखम से सामने आ सकता था तो प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के बाद देवेन्द्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। न शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे के अलग अलग तरह से को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रखी। देवेन्द्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपत्तियों खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक घुरी बने रहते हैं। ऐसे में

में एक मुकाम हासिल किया। 2019 में शिवसेना ने महसूस किया कि बीजेपी को नेतृत्व देकर वह सत्ता की भागीदार तो होगी लेकिन उसका संगठन दरकता चला जाएगा। ऐसे में वह कांग्रेस एनसीपी के पाले में जाने के लिए भी तैयार हो गई। लेकिन परिस्थितियाँ इस तरह बदली कि बग़ावत से निकली शिंदे शिवसेना धरातल पर भी ज्यादा मजबूत दिखी। इसी तरह एनसीपी अजित की बिसात में असली नकली का खेल ही बदल गया। आगे वर्चस्व बनाने का यह संघर्ष कई कोणों पर दिख सकता है। गौरतलब है कि जिस तरह चुनाव परिणाम के बाद शिंदे शिवसेना के तेवर दिखे हैं उसमें फडणवीस को आगे सजग रहना होगा। एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने के लिए जिस तरह लंबी कवायद चली उसमें आगे के लिए भी कुछ संकेत मिल जाते हैं। शिंदे शिवसेना की खींचतान बीजेपी से ज्यादा एनसीपी के साथ दिख सकती है। ऐसे में मंत्रिमंडल के गठन से लेकर आगे की तमाम गतिविधियों में महायुक्ति में आंतरिक प्रतिस्पर्धी होना स्वाभाविक है। खासकर स्थानीय निकाय के चुनाव में भी अपनी ताकत और वर्चस्व के लिए खींचतान रूठना मनाना दिख सकता है। ऐसे में इन परिस्थितियों पर संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी देवेन्द्र फडणवीस पर ही होगी। महाराष्ट्र के आगे की सियासत में बीजेपी के लिए सरकार, संगठन और संघ देवेन्द्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। न शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे के अलग अलग तरह से को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रखी। देवेन्द्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपत्तियों खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक घुरी बने रहते हैं। ऐसे में

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

क्या कालजयी बन पाएगी टीम इंडिया

विमल कुमार
एडिलेड ओवल में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का दूसरा मैच शुरू हो गया। भारत 5 मैचों की इस सीरीज में अभी 1-0 से आगे है। भारतीय क्रिकेट की हक़्ती दुनिया और खासकर खेल के मैदान पर सबसे बड़ी चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया में किस कदर बदल गई है, उसकी झलक देखने के लिए एक बार यहां आना चाहिए। साल 2008 में टेलिविजन रिपोर्टर के तौर पर जब मैंने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर कदम रखा, तो हरभजन सिंह बनाम एंड्रयू साइमंड्स का मंकीगेट कॉन्ट्रॉवर्सी में था। दोनों देशों के न सिर्फ़ खिलाड़ी आपस में भिड़ रहे थे बल्कि मैदान के बाहर दोनों तरफ का आत्ममक मीडिया भी आग में घी डालने का काम कर रहा था। इसका असर सामान्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट फैंस के नजरिये पर भी देखने को मिला।

सचिन से नाराजगी: ऑस्ट्रेलिया ने डॉन ब्रेडमैन के बाद अगर किसी को सबसे बेहतरीन क्रिकेटर माना, तो वह सचिन तेंडुलकर हैं। लेकिन, मंकीगेट का ऐसा असर हुआ कि सचिन के हरभजन का साथ देने से ऑस्ट्रेलियाई नाराज और मायूस हो गए। कुछ साल बाद एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी किताब में इस बात का जिक्र भी किया था कि किस तरह उस वाक्य से सचिन की साख को थोड़ा झटका लगा था।



भारतीय संस्कृति: कैनबरा में टीम इंडिया के अभ्यास मैच के दौरान मैरी मुलाकात एक युवा महिला मैरी से हुई। मैरी क्रिकेट की दीवानी हैं। साथ में हिंदी फिल्म में भी चार से देखती हैं।

हर जगह तिरंगा: एडिलेड टेस्ट से ठीक पहले टीम इंडिया के पहले अभ्यास सत्र को आम जनता के लिए फ्री कर दिया गया था। कोहली और रोहित की

सिर्फ़ एक झलक पाने के लिए करीब 5000 दर्शक पूरे एडिलेड ओवल में भारतीय तिरंगा लहराते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई मैदानों में यह सुखद बदलाव है। ज्यादातर मैदानों पर भारतीय और स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों की संख्या 50-50% होती है। अगर आने वाले एक दशक में मैच के 90% टिकट भारतीयों के पास हों, तो हैरानी नहीं होगी।

बुमराह के प्रशंसक: पहली बार कंगारू किसी भारतीय गेंदबाज को ऐसी प्रशंसा कर रहे हैं, जैसी जसवीर बुमराह को मिल रही है। सचिन देश ने डेनिस लिली और ग्लेन मैकग्रा जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज दिए हैं, वहां के युवा खिलाड़ियों के लिए बुमराह का रोल मॉडल बनना अद्भुत है। ऐसा सचिन की सर्वोच्चता के दौर में भी देखने को नहीं मिला था। शापद इसकी वजह यह थी कि उनके पास रिकी पॉटिंग थे, जो उनकी नज़रों में अब भी सचिन से 19 नहीं हैं। बुमराह ने कप्तान के तौर पर भी हर किसी को अपना मुरीद बना लिया है। सचिन की सादगी के बाद विराट के आग्रहमक तेवरों ने अगर टीम इंडिया की छवि बदली, तो बुमराह और रोहित शर्मा ने लीडरशिप का एक अलग पहलू दिखाया है।

टर्निंग पॉइंट: इन तमाम बातों के बावजूद अगर पिछले 25 बरसों में सिर्फ़ एक घटना को नज़रिये में बदलाव का टर्निंग पॉइंट माना जा सकता है, तो उसके पीछे महेंद्र सिंह धोनी हैं। 2008 में टीम इंडिया ट्राइगुलर वनडे सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया में थी। वह श्रृंखला टेस्ट सीरीज की कड़वाहट के बाद खेली जा रही थी। तब तक टीम इंडिया ने 2007 का टी-20 विश्व कप जीत लिया था, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई उस बहुत तबज्ज से लड़ रहे थे, क्योंकि इससे पहले भारत ने कभी ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में नहीं हराया था। हकीकत में वेस्ट ऑफ़ श्री फाइनल में कभी तीसरे फाइनल की नौबत ही नहीं आई, कंगारू पहले ही दो मैच जीत जा चुके थे।

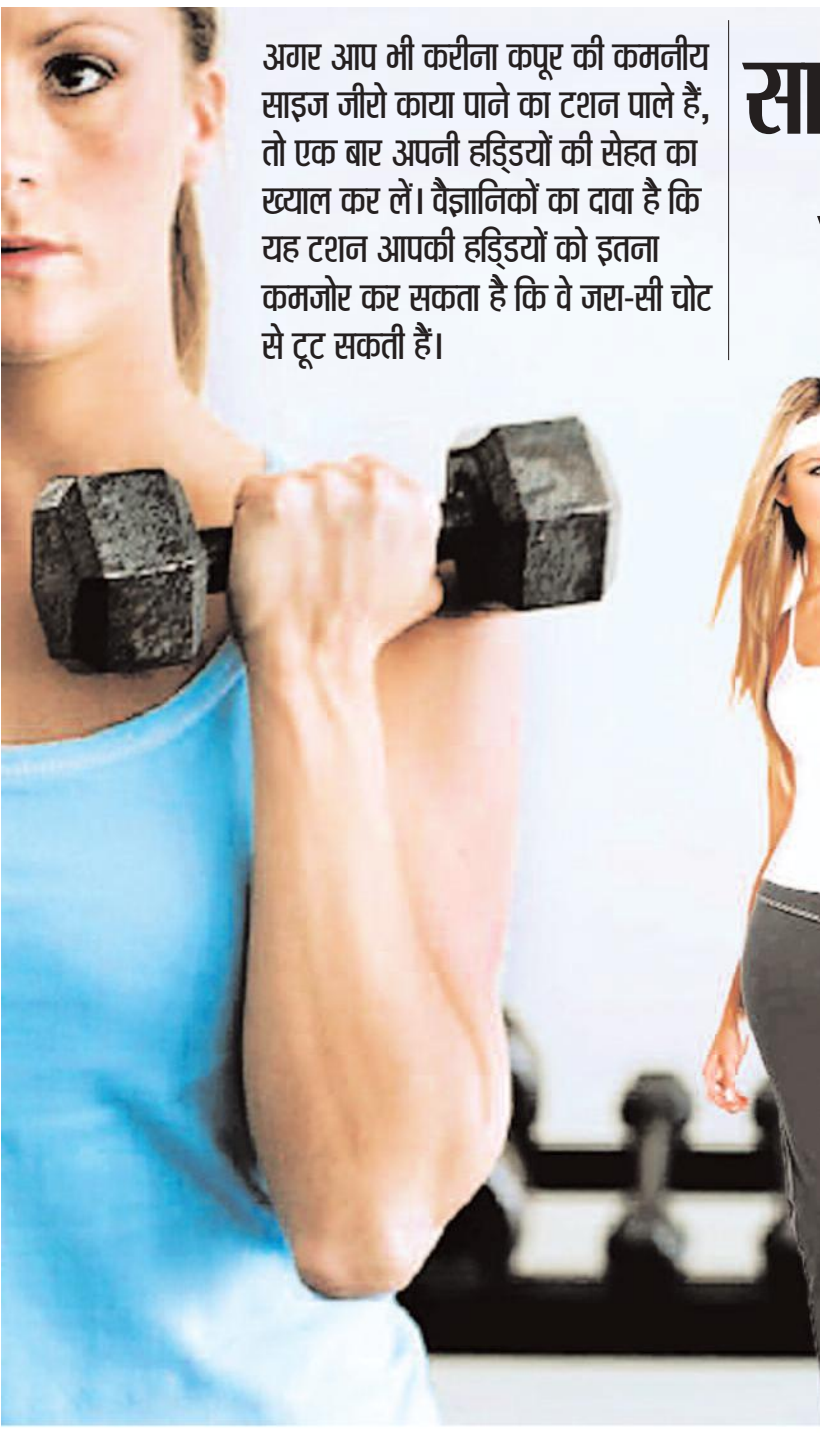
बड़ा मोका: उस दूर पर इतिहास बदला। धोनी की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की कड़वी दवा पिला दी। लेकिन, उन्होंने पहले ही हर साथी से कह दिया था कि ट्रोफी जीतने के दौर में भी देखने को नहीं हल्के में लिया। यही काम विराट और अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो दौरों पर किया है। सचिन की अगुआई में टीम सीरीज जीत की हैदुतिक लगाती है, तो उसका वही रस्ता होगा जो वेस्टइंडीज की कालजयी टीम का हुआ करता था।

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले हैं, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का खयाल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

रिसर्चों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फेट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्च का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्च प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।



ताली बजाने के कई फायदे



हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

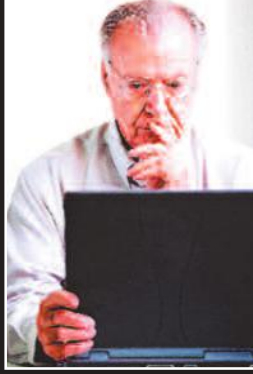
हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति

की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्पन्न संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।



जानें अनार के औषधीय गुण



हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमें धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवार मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रॉल लेवल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित करने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पत्ते बहुत बारीक

पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पियें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।

- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पत्ते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया में सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पत्तों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब टंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ़ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सुखाकर बारीक

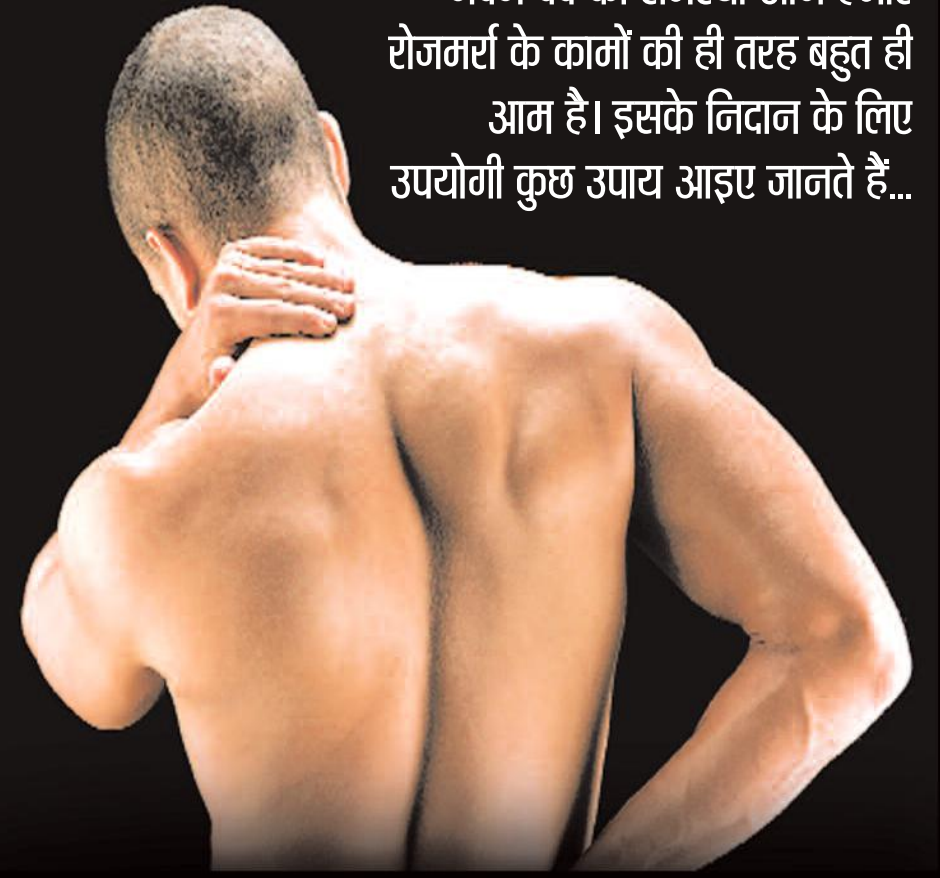
पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाड़ियां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।

- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पियें, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रात:काल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।



अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...



गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी.वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चितक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पैटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैंडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैंडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोजीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूर्मेटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।

रणधीर पनिहार को जितकर नलवा हलके की जनता ने निभाया पारिवारिक रिश्ता : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी
हिसार। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में हलके से चौ. भजनलाल परिवार के सदस्य रणधीर पनिहार को जितकर क्षेत्र की जनता ने पारिवारिक रिश्ता निभाया है। रणधीर पनिहार नेकदिल, मेहनती और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं उन्हें चुनकर जनता ने समझदारी भरा फैसला लिया है। कुलदीप बिश्नोई नलवा हलके के विधायक रणधीर पनिहार के साथ क्षेत्र का धन्यवादी दौरा कर रहे थे। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी हमारा यह पारिवारिक रिश्ता यू ही बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तथा केंद्र में भाजपा की सरकार है। इस डबल इंजन की सरकार में आपके खूब काम होंगे। आदमपुर में दो साल के दौरान 800 करोड़ रुपये विकास कार्यों में लगाए थे। उससे भी दोगुना रफ्तार से नलवा हलके में विकास कार्य होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में बहुत ही अच्छे ढंग से शासन चला रहे हैं और पूरे प्रदेश में भेदभाव के बिना विकास कार्य करवा रहे हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छूणा इसकी पूरी आशा है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि नलवा हलके की जनता ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे निभाने में वे किसी प्रकार की कमी नहीं आने देंगे।

आरएस कुंडू ने संमाला भौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. कुंडू ने कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर के साथ भौतिकी विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों सहित भेंट की। कुलपति प्रो.नरसी राम बिश्नोई ने प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दी तथा विभाग के विकास व प्रगति के लिए उत्कृष्ट प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रो. कुंडू और उनकी टीम से नवीनतम वैश्विक शोध प्रवृत्तियों के अनुरूप अधिक से अधिक शोध प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने भी प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दीं। प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वे इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे तथा विभाग व विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। प्रो. कुंडू 2005 में इस विश्वविद्यालय में शामिल हुए और 2017 से प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। उनके नाम 100 से अधिक शोध पत्र हैं और उन्होंने लगभग 60 अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। उनके मार्गदर्शन में 10 शोधार्थियों ने अपनी पीएचडी की डिग्री पूरी की है। प्रो. कुंडू ने कई वित्त पोषित शोध परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. नीतू अहलावत, डॉ. रमेश, डॉ. हरदेव, डॉ. डेविड जोसेफ, डॉ. विवेक गुप्ता और अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज के बड़े में शामिल होंगी 650 नई बसें

चंडीगढ़। हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन सेवा को और सुदृढ़ करते हुए हरियाणा रोडवेज के बड़े में जल्द ही 650 नई बसें शामिल की जाएंगी। इनमें 150 ऐसी तथा 450 नॉन ऐसी बसें शामिल हैं। इन बसों की खरीद पर लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) में इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई है। उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (ओएचपीपीसी) तथा हाई पावर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल मिलाकर 1329 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न मोलदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दूर तय करके 38 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, महपाला डांडा, विपुल गोयल, रायस सिंह और रणबीर गंगवा और श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में पीएमश्री योजना और समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 801 सरकारी स्कूलों में 4 प्रकार की आईसीटी लेब्स की स्थापना करने को भी मंजूरी प्रदान की गई।

भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा : ओम प्रकाश धनखड़

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि जो सेना शांतिकाल में लगातार अभ्यास करती रहती है, वही युद्ध जीतती है। यह बात उन्होंने रोहतक पहुंचकर पार्टी कार्यालय मंगल कमल में गढ़ी-सांपला-किलाई विधानसभा के कार्यकर्ताओं के बीच कही। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आग्रह किया। इससे पहले राष्ट्रीय सचिव ने महम धनखड़क के कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकर्ताओं से 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को पानीपत ले जाने की भी अपील की। राष्ट्रीय सचिव ने बैठक के बाद मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमें अपने-अपने बूथों को और अधिक मजबूत करना है।

बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ गरजे कर्मचारी

एजेंसी
हिसार। नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लाइज एंड इंजीनियर ने चंडीगढ़ बिजली विभाग व यूपी के आगरा व वाराणसी डिस्कॉम को निजी हथों में सौंपने के विरोध में देशभर में रोष प्रदर्शन किया। इसी के तहत ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन की सिटी हिसार, मॉडल टाऊन, सिविल लाइन और टीएस सब यूनिट ने इस निर्णय के खिलाफ गेट मीटिंग की गई। मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान सुरेंद्र फौजी व सुशील ने किया तथा संचालन सचिव अंकित पुनिया व जयकुमार ने किया।

गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनिट प्रदान सुरेश रोहिल्ला व सचिव अनिल वर्मा, केंद्रीय कमेटी के सदस्य अशोक सैनी व दिलबाग जांगड़ा ने कहा कि बिजली विभाग के निजीकरण की कार्य में कई गड़बड़ियां की गई हैं, इसलिए इसको रद्द कर देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि एलिमेंट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ईडीएल) के पास मई 2022 की ऑडिटर रिपोर्ट के मुताबिक कोई संपत्ति,

संयंत्र और उपकरण नहीं हैं। किसी भी खराबी या बिजली में व्यवधान की स्थिति में कंपनी यूटी चंडीगढ़ में बिजली आपूर्ति बनाए रखने में पूरी तयारी से विफल हो जाएगी। चंडीगढ़ बिजली विभाग पिछले कई वर्षों से



मुनाफा कमा रहा है और हर साल इधम में बढ़ोतरी हो रही है।बिना किसी आधार के निजीकरण कर संकेत पैदा किया गया है। उन्होंने बताया कि जिस दिन कंपनी काम को ठेक-ओकर करेगी, उसी दिन हरियाणा में भी बिजली कर्मी चंडीगढ़ के बिजली कर्मचारियों के समर्थन में काम का

तंजानिया ने आईटी और खेल क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण के लिए हरियाणा से मांगा सहयोग

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में संयुक्त गणराज्य तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में जांजीबार-तंजानिया की सूचना, संस्कृति, कला, युवा मामले और खेल मंत्री सुश्री ताबिया मौल्लिद माविता और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के उच्चायोग के पूर्णाधिकारी मंत्री फानूएल मथिया शामिल थे।

इस दौरान हरियाणा और तंजानिया के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में भागीदार देश के रूप में तंजानिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के माध्यम से हरियाणा और तंजानिया के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत

करने में हरियाणा सरकार के प्रयासों की सराहना की। चर्चा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा



के सहयोग से आईटी क्षेत्र में लगभग तीन लाख पेशेवरों के कौशल प्रशिक्षण में गहरी रुचि व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा

सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं, जिनका उपयोग तंजानिया के आईटी पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पलवल में विश्वकर्म कौशल विश्वविद्यालय और गुरुग्राम में हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान इस उद्देश्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कौशल संवर्धन हेतु महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने खेलों के क्षेत्र में हरियाणा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को भी सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने दार-एस-सलाम,डोडोमा और अरुशा क्षेत्रों में अपने तीन स्टेडियमों के लिए हरियाणा से कोच और प्रशिक्षकों की व्यवस्था करने के लिए सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

नई शिक्षा नीति सबसे पहले हरियाणा में लागू होगी: बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने

कहा कि विद्या प्राप्ति से ही हमारे बच्चे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। विद्यार्थियों को नौकरी की बजाय स्व-रोजगार की ओर अधिक ध्यान देना चाहिए। इस युग में वही प्रदेश आगे बढ़ता है, जो अपने बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करता है। वे यहां सेक्टर सात स्थित जी.ए.वी. इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल

ने देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से ही जाहज में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार

है। यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों में स्कूल के समय से ही कौशल विकास उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करती है। नई शिक्षा नीति की यह विशेषता है कि वर्ष 2030



तक विद्यार्थी अपनी मातृ भाषा में ही एम.बी.बी.एस, एम.बी.ए, बी.टेक, बी.एड जैसे महत्वपूर्ण विषय में डिग्रीयां हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा की पावन धरती पर लगभग पांच साल पहले भावान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। आज हरियाणा सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विधायक मुकेश शर्मा, जी.ए.वी इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन प्रदीप कौशिक, समाजसेवी बोधराज सीकरी, डीसीपी वीरेंद्र विज, भाजपा नेता संदीप जोशी, महावीर भारद्वाज, सुनील भारद्वाज, ओमप्रकाश कथुरिया, देवेन्द्र लोहानी, मयंक निर्मल, मनीषा कौशिक, आशा बत्रा, बबोता वशिष्ठ इत्यादि मौजूद रहे।

शिकायतकर्ता ही असंतुष्ट तो दोबारा करें मामले की जांच, झूठी गिरफ्तारी न करें : एसपी शशांक कुमार सावन

एजेंसी
हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों से कहा है कि वे अपने क्षेत्र में अपना

प्रभाव कायम करें। पुराने अपराधियों का रिकॉर्ड रखें व अपराधिक किस्म के व्यक्तियों को पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आदतन अपराधियों पर विशेष रूप से नजर रखें और समय-समय पर उनके बारे पूछताछ करते रहे। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मंस में जिला पुलिस के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों व अपराध यूनिट प्रभारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर दिन निर्धारित किए गए समय अनुसार

अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी करके ट्रिपल राइड, बुलेट



मोटरसाइकिल पर पटाखे बजाने वालों पर कार्रवाई करते हुए सदिध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच करें। प्रति समय में प्रभावी गश्त कर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर दिन निर्धारित किए गए समय अनुसार

समयावधि में पूरी हो। सभी अपने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले

थानों में लगातार विजिट करें।पुलिस अधीक्षक ने पुलिस के पास आई शिकायतों के फीडबैक की समीक्षा की। जिन शिकायतों में शिकायतकर्ता पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट थे उनमें संबंधित को लताड़ते हुए उचित कार्रवाई के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्यालय या पुलिस

थानों में आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ शिष्टाचार के साथ सभ्य व्यवहार करें। थाने में आने वाली सभी शिकायतों को सीसीटीएनएस पोर्टल पर अपलोड कर शिकायतकर्ता को रसीद प्रदान करें और सभी शिकायतों का समयबद्ध निदान करें। पीएम विंडो, सीएम विंडो के माध्यम से आने वाली शिकायतों का समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी थानों में पासपोर्ट, पुलिस और किराएदार के वॉरिफिकेशन के लिए अलग से पुलिस कमिश्नों की ड्यूटी लगाई जाएगी ताकि सभी प्रकार के सत्यापन समयावधि में हो सके। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रबंधकों को देर रात तक डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

साहब, पड़ोसी का 5 मजिला भवन धंस गया, हमारे मकान को भी क्षति पहुंची है..

एजेंसी
गुरुग्राम। नगर निगम में समाधान शिविर में गांव चोमा निवासी कप्तान सिंह ने निगमायुक्त अशोक कुमार गंग के समक्ष बिल्डिंग निर्माण की एक ऐसी समस्या रखी गई, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है। उनकी शिकायत पर निगमायुक्त ने तुरंत अपने अधीनस्थ अधिकारी को स्ट्रक्चरल ऑडिट के आदेश दिए।

शिकायतकर्ता कप्तान सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा 5 मजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण अभी से टढ़ा हो गया है। जमीन में भी धंस गया है। इसकी वजह से हमारे मकान की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उनके परिवार को जान-माल का नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर

निगम गुरुग्राम में समाधान शिविर में 15 शिकायतें आईं, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त अशोक कुमार गंग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में मुख्य रूप से सीवरेज, पेयजल, सड़क व अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनकी समयसीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को आगामी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए हैं। समाधान शिविर में पहुंचे सरस्वती एनक्लेव आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सारकरी वजह से हमारे मकान की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र की कई समस्याएं समाधान शिविर के माध्यम से दूर हो गई हैं। उन्हें आशा है कि अन्य शिकायतों का समाधान भी जल्द ही होगा।

रियाणा का किसान सरकार की नीतियों से पूरी तरह से खुश: कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी
रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में बाबासाहेब डा. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं

अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने भारत ने ही नहीं पूरे विश्व को एवं समूचे मानव जाति के जीवन को आलोकित किया। भारत राष्ट्र सदैव बाबासाहेब को ऋणी रहेगा। बाबासाहेब भारत में लोकतंत्र को जीवित एवं जीवंत रखने वाले प्रणेता थे। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के जरिए राष्ट्र के नागरिकों को न केवल मताधिकार बल्कि अन्य कल्याणकारी नीति एवं प्रावधान दिए। भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही युवा वर्ग से उन्होंने आह्वान किया कि डा. अंबेडकर

के बारे अध्ययन कर उनकी भूमिका तथा उनके योगदान को जानने का प्रयास करें और सामाजिक उत्थान में अपना



योगदान दे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने एमडीयू में भारत लख बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसानों के दिल्ली कूच को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि हरियाणा का कोई भी

किसान आंदोलन नहीं कर रहा है। पंजाब की कुछ जयेंबंदियों के मसले है जो केन्द्र के साथ ही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने अनेक योजनाएं लागू की है और पवित्र में खड़े अतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हालांकि हरियाणा द्वारा किसानों को दिल्ली कूच के लिए रास्ता देने के सवाल को मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अनसुना कर दिया।

साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार पहले ही सबसे अधिक फसले एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि संविधान के नाम पर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है और अब लोग कांग्रेस के झूठ को पहचान चुके हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व हरियाणा सरकार से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है। इस अवसर पर पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

असम के लिए निकला 24 लाख रुपये का प्लाई बोर्ड से भरा ट्रक चोरी

एजेंसी
यमुनानगर। 27 दिन पहले यमुनानगर से असम के लिए क्रीब 24 लाख रुपये का प्लाई बोर्ड और समामकाल लेकर निकले ट्रक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। जिसको लेकर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 10 दिन बाद उन्होंने यमुनानगर शहर पुलिस थाने में ट्रक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रक चालक और ट्रांसपोर्ट मालिक ने मोहबल भी बंद कर दिए हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच करने की शिकायत भी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल ने प्रतिनिधि मंडल को कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आ गया है। उन्होंने अधिकारियों को काम पर लगा दिया है।

व्यापारी मनीष अग्रवाल ने बताया 9 नवंबर को इंडिक्रेटल एरिया स्थित उनकी योगेश लेमिनेट्स नामक फैक्ट्री से एक ट्रक लगभग 24 लाख रुपये का सनमाइका और प्लाई बोर्ड लेकर असम की रारा प्लाईवुड के लिए निकला था। लेकिन वह ट्रक आज तक वहां नहीं पहुंचा। जिसकी काफ़ी खोजबीन करने के 10 दिन बाद उन्होंने यमुनानगर शहर पुलिस थाने में ट्रक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रक चालक और ट्रांसपोर्ट मालिक ने मोहबल भी बंद कर दिए हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच करने की शिकायत भी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल ने प्रतिनिधि मंडल को कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आ गया है। उन्होंने अधिकारियों को काम पर लगा दिया है।

विश्वकर्मा कौशल विवि के वीसी व बीबी भारती बने सीएम के ओएसडी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री के लिए दो और ओएसडी नियुक्त किए हैं। सीएमओ में तीन एचसीएस अधिकारियों को सीएम का ओएसडी पहले से लगाया हुआ है। मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने राज नेहरू और भारत भूषण भारती को मुख्यमंत्री को ओएसडी नियुक्ति करने संबंधी आर्डर जारी किए हैं।

भारती पहले भी सीएमओ में सेवा दे चुके हैं। अक्टूबर-2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने भारत भूषण भारती को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया था। चयन आयोग में उनका कार्यकाल कई बार विवादों में भी रहा। उनकी जगह जब भोपाल सिंह खरदी को आयोग का चेयरमैन बनाया गया तो भारती को उस समय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इसके बाद वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भी राजनीतिक सलाहकार रहे। अब नायब सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्हें मुख्यमंत्री

बहिष्कार कर सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने जारी एलओआई रद्द करने की मांग करते हुए कहा गया कि कंपनी को बिजली वितरण का कोई अनुभव नहीं है। अगर सरकार ने निजीकरण के इस फैसले को वापस नहीं लिया



तो यूनियन आने वाले समय में और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। गेट मीटिंग में त्रिलोक शर्मा, सुभाष लांबा, रमेश गोयत, परमजीत सैनी, प्रताप, प्रदीप शर्मा, राकेश जांगड़, कुलदीप दलाल व जोगिंदर पुनिया का आदि कर्मचारियों ने भाग लिया।

का ओएसडी नियुक्त किया है। वहीं दूसरी ओर, राज नेहरू की पहली बार सीएमओ में एंटी हुई है। प्रशासनिक और अकादमिक अनुभव रखने वाले डॉ. राज नेहरू शिक्षाविद के साथ बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तित्व हैं। नेहरू का दो दशक से भी ज्यादा कांप्यूटिंग का अनुभव है। वे आईबीएम और कॉन्सट्रिक्स जैसी कंपनियों में बड़े पदों पर रह चुके हैं। डॉ. नेहरू देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति हैं। कौशल क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव है, इससे पहले वे कौशल विकास निगम के मिशन डायरेक्टर रह चुके हैं। डॉ. राज नेहरू यूजीसी और एआईसीटीई सहित देश के बड़े संस्थानों के सदस्य हैं और उन्हें भारत में उच्च शिक्षा में कौशल का मॉडल विकसित करने का श्रेय जाता है। 2016 में उन्हें विश्वकर्म कौशल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। उनके पास दो अन्य विश्वविद्यालयों की अतिरिक्त प्रभार रह चुका है। राज नेहरू जाने-माने लेखक भी हैं। अभी तक उनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

तक ही दृढ़ संकल्पित हैं। हर गांव में विकास कार्यों की झड़ी लगी है और जो कार्य रह गए हैं, उनको सिरें चढ़ाने के लिए लगातार हिसार व चंडीगढ़ में अधिकारियों से संपर्क में हैं। हल ही में उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी से

मुलाकात की और आदमपुर की अंधूरे कार्यों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने हमेशा की तरह इस बार भी आदमपुर के विकास कार्यों और आदमपुर की जनता की मांगों को सुना, बल्कि जल्द से जल्द उनको पूरा करने

सफ़ीदों-असंध बाईपास टी-प्वायंट पर बंद दुकान में घुसी कार, कार सवार दोनों युवकों की मौत

एजेंसी
जौदा। सफ़ीदों नगर के सफ़ीदों-असंध बाईपास टी-प्वायंट पर रात को एक कार वहां पर बनी दुकान में जा घुसी। इस घटना में कार व दुकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई तथा कार में सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें पीछे-पीछे आ रही कार में सवार ने उनके दोस्त उन दोनों को निकाल कर पानीपत स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरारी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। गनीमत तो यह रही कि दुकान में उस वक्त कोई नहीं था। मामले की सूचना पुलिस को दे गई है। मिली जानकारी के अनुसार सफ़ीदों में किसी शादी समारोह में शिरकत करने के लिए आदित्य व राहुल अपने कुछ दोस्तों के साथ आए हुए थे। शादी में शिरकत करके रात करीब 11 बजे कार के माध्यम से वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार नगर के असंध रोड टी प्वायंट पर पहुंची तो उनकी कार अनियंत्रित



आवाज गई। घटना को देख कर राहगीर वहां पर रुके और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इतने में पीछे से उनके दोस्तों की कार आ गई। उन्होंने देखा कि दुर्घटनाग्रस्त कार तो आदित्य व राहुल की है। काफी मात्रा में खून फैला हुआ है तथा गाड़ी के एयरबैग खुले हुए हैं। उन्होंने आनन-फ़ानन में दोनों को बाहर निकाला और उन्हें पहले सफ़ीदों के एक निजी अस्पताल ले गए और वहां से उन्हें पानीपत के एक

निजी अस्पताल में रैफर कर दिया गया। पानीपत में डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना सफ़ीदों पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके



पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। जांच अधिकारी एसआई जयबीर ने बताया कि इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई है। युवकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरारी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। आज था आदित्य का जन्मदिन इस घटना में मृतक आदित्य उर्फ लीलू का आज जन्मदिन था।

पहले की तरह पुरजोर ढंग से करवाएंगे आदमपुर का विकास : भव्य बिश्नोई

एजेंसी
हिसार। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने आदमपुर हलके में आधा दर्जन गांवों में कार्यकर्ताओं से संवाद किया एवं गांवों में जारी विकास कार्यों

का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांवों में समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके जनसमस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। भव्य बिश्नोई ने गांव जाखोंद में बनने जा रहे अस्पताल की बिल्डिंग का

शिलान्यास भी किया। भव्य ने कहा कि आदमपुर में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आएगी और विकास की रफ्तार और ज्यादा तेज होगी। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया

है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पुरक थे हैं और रहेंगे। चुनाव का परिणाम कोई भी रहा हो, वो आदमपुर के चहुमुखी विकास के लिए पहले को

तक ही दृढ़ संकल्पित हैं। हर गांव में विकास कार्यों की झड़ी लगी है और जो कार्य रह गए हैं, उनको सिरें चढ़ाने के लिए लगातार हिसार व चंडीगढ़ में अधिकारियों से संपर्क में हैं। हल ही में उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी से

मुलाकात की और आदमपुर की अंधूरे कार्यों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने हमेशा की तरह इस बार भी आदमपुर के विकास कार्यों और आदमपुर की जनता की मांगों को सुना, बल्कि जल्द से जल्द उनको पूरा करने

का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रिय मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है और हर वर्ग की खुशहाली के लिए सरकार विभिन्न परियोजनाएं आए दिन लागू कर रही है।

विशेषकर युवाओं के उत्थान के प्रति प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। यही कारण है की मुख्यमंत्री ने जल्द ही दो लाख नौकरियों और प्रदान की युवाओं को देने की घोषणा की है, जो कि स्वागत योग्य कदम है।

आरबीआई ने सीआरआर घटाकर 4 फीसदी किया, बैंकों के लिए 1.16 लाख करोड़ रुपये होंगे उपलब्ध

एजेंसी नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने संभावित नकदी संकट को कम करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 0.50 फीसदी की कटौती कर चार फीसदी कर दिया है। इससे बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.25 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.75 फीसदी पर कायम रहेगी। शक्तिकांत दास ने कहा कि ल्योहरों के दौरान मुद्रा के चलन में उल्लेखनीय वृद्धि और पूंजी निफासी के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में पर्याप्त नकदी मौजूद है, लेकिन कर भुगतान, चलन में उपलब्ध मुद्रा में वृद्धि तथा पूंजी प्रवाह में अस्थिरता से आने वाले महीनों के दौरान बैंकों में नकदी कम हो सकती है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि संभावित नकदी संकट को ध्यान में रखते हुए सभी बैंकों के सीआरआर को शुद्ध मांग एवं सार्वभू देयताएं (एनडीटीएन) यानी बैंकों के पास कर्ज देने के लिए मौजूद धनराशि के चार फीसदी तक कम करने का निर्णय लिया गया है, जो 0.25 फीसदी की दो बराबर किरतों में क्रमशः 14 दिसंबर और 28 दिसंबर से शुरू होने वाले पखवाड़े से प्रभावी होंगे।

बैंकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करने के निर्देश

नयी दिल्ली। सरकार ने बैंकों को साइबर धोखाधड़ी के लिए उपयोग होने वाले बैंक खातों (मुले खातों) का वास्तविक समय पर पता लगाने, धोखाधड़ी का पता लगाने और रोकथाम के लिए बैंक कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने और उन्हें बेहतर कौशल प्रदान करने, आम नागरिकों को धोखेबाजों के झांसे में न आने के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने और जागरूक करने के लिए ए आई/ एम एल समाधान सहित उन्नत तकनीकों को अपनाने के निर्देश दिए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागरजू ने इसको लेकर आज डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी, विशेष रूप से मुले खातों के कारण बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए रिजर्व बैंक, नाबाडी, सरकारी, निजी और भुगतान बैंकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने बैंकों को मुले खातों का पता लगाने और निगरानी को मजबूत करने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा विकसित ए आई/एम एल संचालित मॉडल मुले हंटर डॉट ए आई का पता लगाने और उसे लागू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। बैठक में बैंकों से इन खातों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, अत्याधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने और अंतर-बैंक सहयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की गाढ़ी कमाई की सुरक्षा के लिए सक्रिय उपाय किए जाने की आवश्यकता है। नागरिकों के धन की सुरक्षा करना हमारी साझा जिम्मेदारी है।

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों के लिये अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

नयी दिल्ली। जेल के कैदियों और सुधार गृहों में रहने वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की अपनी पहल को आगे बढ़ाते हुये सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल ने 'परिवर्तन - जेल से गौरव' के चौथे चरण का शुभारंभ किया है। कंपनी की जारी एक विज्ञापि के अनुसार इंडियन आयल के अध्यक्ष ए एस साहनी ने आज इंडियन ऑयल की इस पहले के चौथे और 'नयी दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण छह का शुभारंभ किया।इस पहल में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन में सुधार के कार्यक्रम चलाने जा रहा है। विज्ञापि में श्री साहनी के हवाले से कहा गया है कि उन्हें इस बात पर बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका दे रहा है और खेल के रूप में उन्हें उद्देश्य दे रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 38 महीनों में, ये कार्यक्रम 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुंच चुके हैं। 7,300 से अधिक लोगों के जीवन प्रभावित हुये हैं और ये प्रयास इंडियन ऑयल के 'राष्ट्र पहल' के सिद्धांत के अनुरूप हैं, जो व्यवसाय से परे जाकर सबसे कमजोर लोगों की सहायता करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पावरग्रिड ने आईआईटी रुड़की के साथ उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए किया समझौता ज्ञापन

गुरुग्राम। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने दिनांक 6 दिसंबर 2024 को आईआईटी रुड़की के साथ ₹20.73 करोड़ के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योगदान के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य संस्थान के कंप्यूटर केंद्र में तीन अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को स्थापित कर प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देना है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर पावरग्रिड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. त्यागी, निदेशक (कार्मिक), डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (प्रचालन), श्री नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (परियोजनाएं), श्री वामसी राम मोहन बर्ग, कार्यपालक निदेशक (सीसी-सोएमजी), श्री विक्रम सिंह भाल, कार्यपालक निदेशक (सीएसआर एवं दक्षिणी क्षेत्र -1) श्री ए. नागरजू, कार्यपालक निदेशक (सीटीओआईएल), श्री सखीरॉ सिंह, आईआईटी, रुड़की के निदेशक, प्रो. के. पंत एवं संस्थान कंप्यूटर केंद्र के प्रमुख प्रो. सीता कुमर पेंड्रेजू तथा दोनों संस्थानों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किये गए।

गोल्ड बुलियन के लिए भी जरूरी होगी हॉलमार्किंग, 2025 में आ सकता है फैसला

एजेंसी नई दिल्ली। गोल्ड ज्वेलरी की हॉलमार्किंग के बाद अब केंद्र सरकार ने गोल्ड बुलियन (बार) की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करने की तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि 2025 की शुरुआत में ही इस संबंध में अधिसूचना जारी की जा सकती है। इस अधिसूचना में गोल्ड बुलियन के साथ ही 9 कैरेट तक की गोल्ड ज्वेलरी के लिए भी हॉलमार्किंग को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया जा सकता है। अभी तक भारत में गोल्ड बार या तो बीआईएस रिफाइनरी में तैयार किया जाता है या फिर उनका इंपोर्ट किया जाता है। इन दोनों तरीकों से मार्केट में पहुंचने वाला गोल्ड बार सर्टिफाइड होता है, और उसमें धोखाधड़ी की गुंजाइश नहीं होती है।

इसके अलावा सराफा बाजार में रीसाइक्लड गोल्ड बार भी मिलते हैं। रीसाइक्लड गोल्ड बार की पुरानी ज्वेलरी से बनाया जाता है। इसके साथ ही कई बार बड़े गोल्ड बार की रीसाइक्लिंग करके कम मात्रा के गोल्ड बार भी बनाए जाते हैं। रीसाइक्लड गोल्ड बार में धोखाधड़ी होने की आशंका होती है, क्योंकि इनका सर्टिफिकेशन नहीं होता है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब गोल्ड बुलियन की हॉलमार्किंग को अनिवार्य करने का मन बना लिया है। बताया जा रहा है कि पहले चरण में 100 ग्राम तक के गोल्ड बुलियन (बार) के लिए हॉलमार्किंग अनिवार्य की जाएगी। इसके बाद अगले 1 से 2 साल की अवधि में चरणबद्ध तरीके से 5 ग्राम तक के गोल्ड बुलियन के लिए

वित्त मंत्री ने किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ की बजट पूर्व दूसरी बैठक

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरी बजट पूर्व परामर्श बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में ये बैठक केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के तहत हुई। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में विभिन्न किसान संघों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरे बजट पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। परामर्श बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त



वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में कृषि क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृषक समुदाय के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने

और किसानों के कल्याण में सुधार के उद्देश्य से नीतिगत बदलावों, बजटीय सहायता और सुधारों पर अपने सुझाव

हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक व्यापक और समावेशी बजट के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से इनपुट एकत्र करना है। इससे एक दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट के लिए प्रमुख अर्थशास्त्रियों के इनपुट और सुझाव एकत्र करने के लिए पहली बजट-पूर्व बैठक की अध्यक्षता की थी।उल्लेखनीय है कि आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश होने की संभावना है। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा। बजट से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नीतिगत दिशा मिलेगी।

आईआईएफएल होम फाइनेंस एनसीडी इश्यू के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाएगा

एजेंसी मुंबई/नई दिल्ली। आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड कंपनी ने 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी के प्रबंधन ने कहा कि इश्यू का बेस आकार 100 करोड़ रुपये है, जिसमें 400 करोड़ रुपये का ग्रीनरूक कल्प है। आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड ने जारी बयान में बताया कि एनसीडी इश्यू आज खुल रहा है, जो 19 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि जारी किए जा रहे डिबेंचर सुरक्षित हैं, उन्हें एए/स्थिर रेटिंग दी गई है। एनसीडी बॉन्ड स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई में सूचीबद्ध होंगे। आईआईएफएल फाइनेंस की सहायक कंपनी आईआईएफएल होम फाइनेंस

लिमिटेड कंपनी ने बताया कि इश्यू प्राइस 1,000 रुपये प्रति एनसीडी है, जबकि न्यूनतम आवेदन आकार 10 डिबेंचर है। ऐसे में न्यूनतम आवेदन राशि 10,000 रुपये हो जाती है। कंपनी ने एनसीडी इश्यू का 20 फीसदी हिस्सा संस्थानों के लिए, 30 फीसदी हार्ड नेटवर्क व्यक्तियों के लिए और 30 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किया है।उल्लेखनीय है कि देश में खुदरा केंद्रित अग्रणी एनबीएफसी आईआईएफएल फाइनेंस अपनी सहायक कंपनियों के जरिए ऋण और बंधक प्रदान करता है। उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला और विशाल ग्राहक आधार के साथ, ये शाखाओं और डिजिटल चैनलों के माध्यम से पूरे भारत में काम करते हैं। कंपनी का फंड जुटाने का उद्देश्य भविष्य के विकास का समर्थन करना है, जो सरकार की सभी के लिए आवास पहल के अनुरूप है।

सराफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में एक दिन की तेजी के बाद एक बार फिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बन गया है। सोना आज 150 रुपये से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये से लेकर 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक

रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।



77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर पर

एजेंसी मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। लगातार आठ हफ्ते के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बताया कि 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.31 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 656.58 अरब डॉलर रहा था। इसके भी पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड 17.76 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक

माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 568.85 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 59.5 करोड़ डॉलर घटकर 66.98 अरब डॉलर रहा लेकिन विशेष



आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.2 करोड़ डॉलर उछलकर 18.01 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत की आरक्षित भंडार 2.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीने के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

आम चुनाव के कारण दूसरी तिमाही में आई थी आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट: वित्त मंत्री

एजेंसी नई दिल्ली।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट वित्त वर्ष की शुरुआत में हुए आम चुनावों के कारण आई थी, न कि कोई प्रणालीगत मुद्दा था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तीसरी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की वृद्धि खोई नहीं गयी कि भरपाई कर देगी। सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में भारत-जापान फोरम 2024 में यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि चुनावी साल की पहली तिमाही के दौरान, खर्च धीमा हो जाता है क्योंकि केंद्र और राज्य प्रशासन चुनावी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते

हैं, यह दूसरी तिमाही के विकास आंकड़ों में परिलक्षित होता है। उन्होंने तीसरी तिमाही में बेहतर सार्वजनिक व्यय के साथ आर्थिक गतिविधि इस



कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही आर्थिक वृद्धि दर में आई सुस्ती 'प्रणालीगत' नहीं है।

स्थिरता भारत के निर्यात के लिए चिंता का विषय है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ उतार-चढ़ाव के बावजूद देशों के बीच संबंध मजबूत और स्थिर स्तर पर बने रहते हैं, जब लोगों से लोगों और व्यवसाय से व्यवसाय के बीच संपर्क सुरक्षित, मजबूत और गहरा होते हैं। नई दिल्ली में भारत-जापान फोरम 2024 में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की कुल जूलाई-सितंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद पिछले सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। वहीं अप्रैल-जून पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी।

मोबिक्विक का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 265-279 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी मुंबई/नई दिल्ली। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 11 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 265-279 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर को शेयर बाजार में लिस्ट होंगे। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि मोबिक्विक का आईपीओ सप्ताहिक्रिशन 13 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 572 करोड़ रुपये जुटाने की है। गुरुग्राम स्थित फिन्टेक कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह से एक नया इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं

है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 53 इक्विटी शेयरों और



उसके बाद 53 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 787 रुपये है।कंपनी इश्यू से प्राप्त कुल इनकम का उपयोग अपने वित्तीय सेवा व्यवसाय में जैविक वृद्धि के वित्तपोषण के लिए 150

आरबीआई ने किसानों को दी बड़ी सीमांत, बिना ब्याज मिलेगा 2 लाख रुपये का लोन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने किसानों को बड़ी सीमांत दी है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने किसानों के लिए बिना किसी गारंटी के 2 लाख रुपये का तक का लोन मुहैया कराने की घोषणा की है। फिलहाल ये सीमा 1.6 लाख रुपये है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिये गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि मुद्रास्फीति और कृषि में उपयोग होने वाले कच्चे माल की लागत में वृद्धि के मद्देनजर गारंटी मुक्त कृषि ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का निर्णय किया गया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने बहती महंगाई से परेशान किसानों को राहत देने के उद्देश्य से ये फैसला लिया गया है।

शेयर बाजार में तेजी पर लगा ब्रेक, मामूली गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। सुबह 10 बजे के करीब रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी का एलान होने के बाद बाजार की चाल में कुछ देर के लिए उतार-चढ़ाव दिखा, लेकिन इसके बाद शेयर बाजार लगातार सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत

की गिरावट के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, कंज्यूमर ड्यूरैबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही एफएमसीजी, टेलीकॉम और पीएसयू बैंक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी, मीडिया और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉड मार्केट में आज अमरौतर पर तेजी का माहौल बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिड्कैप इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

से 1,484 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 999 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 121.69 अंक की बढ़त के साथ 81,887.54 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव के बाद सुबह 10 बजे के करीब

की तेजी के साथ 24,729.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह 10 बजे मौद्रिक नीति पेश होने के बाद ये सूचकांक भी 87.90 अंक टूट कर 24,620.50 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इसमें थोड़ी ही देर में हरे निशान में वापसी कर ली। इसके बाद ये सूचकांक पूरे दिन सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 56.74 अंक के गिरावट के साथ 81,709.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति आते ही ये सूचकांक बिकवाली के दायरे में 259.67 अंक की कमजोरी के साथ 81,506.19 अंक तक गिर गया। इसके थोड़े देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक ने हरे निशान में वापसी कर ली। इसके बाद ये सूचकांक पूरे दिन सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 56.74 अंक के गिरावट के साथ 81,709.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक

मोटर्स 3.06 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.34 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 1.56 प्रतिशत, महारिा सुजुकी 1.21 प्रतिशत और एस्सीआई लाइफ इश्योरेंस 1.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गैनेर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, अडानी पोर्ट्स 1.41 प्रतिशत, सिप्ला 1.39 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.08 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.03 प्रतिशत और एथियाई रियेस 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लुजर्स की सूची में शामिल हुए।

तीन साल तक असली पहचान छुपाए रखी, फिर

माधुरी दीक्षित

के सामने ऐसे खुला जावेद जाफरी की सौतेली बहन काराज

मल्टी टैलेंटेड एक्टर और मशहूर कॉमेडियन जगदीप के बेटे जावेद जाफरी का आज जन्मदिन है. जावेद को इंडस्ट्री में उनके काम के लिए जाना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग इस बारे में जानते हैं कि जावेद की एक सौतेली बहन भी हैं और वो भी इसी इंडस्ट्री का ही एक हिस्सा है. हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस मुस्कान जाफरी की. मुस्कान का शो *Mismatched Season 3* जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाला है. ऐसे में आइए आपको बताते हैं जावेद जाफरी की उस खूबसूरत बहन से जुड़ा एक हैरान करने वाला किस्सा. मुस्कान से जुड़ा एक किस्सा एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने शेयर किया था. दरअसल, माधुरी ने मुस्कान के साथ नेटफ्लिक्स सीरीज 'द फेम गेम' में काम किया था. इस सीरीज में मुस्कान ने माधुरी की बेटि का किरदार निभाया था और उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ भी हुई थी. माधुरी ने शो के दौरान दिए गए एक इंटरव्यू में ये बताया था कि उन्हें काफी वक्त तक ये बात पता नहीं थी कि मुस्कान, जावेद जाफरी की बहन हैं.

माधुरी ने बताया किस्सा

माधुरी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया था कि कैसे मुस्कान ने उन्हें कभी नहीं बताया कि वो कॉमेडियन जगदीप की बेटि और जावेद की सौतेली बहन हैं. 'द फेम गेम' की शूटिंग के महीनों बाद माधुरी दीक्षित को इसका पता चला और वो हैरान रह गई कि मुस्कान ने इसे सीक्रेट क्यों रखा? वो कहती हैं कि जब मुझे पता चला तो हम सीरीज के आधे रास्ते में थे. जब माधुरी ने मुस्कान ने उन्हें इस बारे में ना बताने वाली बात के बारे में पूछा तो मुस्कान ने कहा कि वो अपने नाम और काम से पहचान चाहती हैं.

पिता ने कौ थी तीन शादियां

दरअसल, दिवंगत कॉमेडियन जगदीप ने तीन शादियां की थीं. इन शादियों से उनके कुल छह बच्चे हैं. उनकी पहली शादी नसीम बेगम से हुई थी. इस शादी से उनके तीन बच्चे- हुसैन, शकीरा और सुरैया हैं. इसके बाद उनकी दूसरी शादी सुप्र बेगम से हुई. सुप्र और जगदीप के दो बेटे- जावेद और नावेद जाफरी हैं. वहीं, जगदीप की तीसरी पत्नी का नाम नाजिमा है.



ईशा सिंह

को खटकी विविन डीसेना-अविनाश मिश्रा की दोस्ती! सताने लगा गेम में पीछे रहने का डर?

बिग बॉस 18 में एक बार फिर से इस हफ्ते सलमान खान शो से गायब नजर आएंगे. सलमान खान अपनी वर्क कमीटमेंट्स के चलते बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार की शूटिंग नहीं कर पाए हैं. इस हफ्ते उनकी जगह फराह खान शो होस्ट करती हुई नजर आएंगी. सलमान की जगह इस बार फराह सभी की क्लास लगाती हुई दिखाई देंगी.

हालांकि इन सब बातों के बीच एक बात ईशा और अविनाश से भी जुड़ी हुई है, जो काफी चर्चा में है. हाल ही की एपिसोड में ईशा सिंह अपने क्लोज फ्रेंड अविनाश मिश्रा से अपनी दिल की बात करती हुई नजर आ रही हैं. ईशा कहती हैं कि अविनाश और विविन उन्हें साइडलाइन कर रहे हैं. ऐसे में वो खुद को पीछे महसूस करती हैं. हालांकि अविनाश उन्हें समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन अब उन्हें जो लगने लगा है कि ईशा

को विविन और अविनाश का बॉन्ड कहीं न कहीं खटक रहा है. यूजर्स की मानें तो ईशा को इस बात की चिंता है कि वो विविन और अविनाश की फर्स्ट प्रायोरिटी हैं या नहीं.

ईशा ने अविनाश को बताई अपनी चिंता

मेकर्स के शेयर किए गए प्रोमो में देखा जा सकता है कि ईशा गार्डन में अविनाश से कहती हैं कि अगर ये ईशा है और ये विविन है और ये शरुतिता है, तो मैं विविन की तरफ ज्यादा वजन रखुंगी (यानी विविन उनकी पहली पसंद होंगे).

फिर आगे वो अपनी बात समझाते हुए अविनाश से कहती हैं कि अगर वो अकेली हैं और सामने अविनाश हैं ट्रॉफी के लिए, तो वो ऐसे उन्हें झटकेंगी नहीं.

हालांकि अविनाश की तरफ इशारा करते हुए ईशा कहती हैं कि तेरा मुझे लगता है कि तू ऐसे झटक देगा कि भाड़ में जा. इसपर अविनाश कहते हैं कि तुझे नहीं पता न हम लोग क्या बात करते हैं. ईशा कहती हैं कि तुम लोग मुझे शामिल नहीं करते हो. जवाब में अविनाश कहते हैं कि हां क्योंकि वहां तेरी जरूरत नहीं होती है. इस पर एक्ट्रेस कहती हैं कि उन्हें भी कई बार फील होता है कि वो दोनों

जब सरोज खान ने रेखा को सबके सामने लगाई फटकार, सेट पर ही रो पड़ी थीं एक्ट्रेस



कई बार फिल्मी दुनिया में एक्टर एक्ट्रेस के ऐसे-ऐसे किस्से सुनने को मिलते हैं, जो हमें हैरान कर जाते हैं. क्योंकि पर्दे के पीछे की दुनिया एकदम अलग है और पर्दे के सामने अलग दुनिया दिखाई देती है. इसलिए हमें सामने की चीजें तो दिख जाती हैं, लेकिन पीछे का सुनने में नहीं आता. लेकिन कई बार पर्दे के पीछे के उन किस्से कहानियों का जिक्र होता है तो बात खुलकर आती है. मनोरंजन की दुनिया में एक ऐसा किस्सा सरोज खान और रेखा से जुड़ा हुआ है. चलिए आपको बताते हैं रेखा जितनी बेहतरीन अदाकारा हैं, उतनी ही बेहतरीन डांसर भी हैं. आज भी जब वह स्टेज पर तुमके लगा देती हैं तो बड़ी से बड़ी डांसर फेल नजर आती हैं. लोग रेखा को हमेशा की तरह अभी भी खूब पसंद करते हैं. लेकिन क्या आपको मालूम है कि एक फिल्म के सेट पर रेखा और मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान के बीच बहस हो गई थी. सरोज खान ने रेखा को ऐसा डांटा था कि वह रोने लगी थीं.

सरोज खान और रेखा में हुआ था झगड़ा ?

सरोज खान भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी कोरियोग्राफी के लोग कायल हैं. उन्होंने बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटी को नचाया है. रेखा की फिल्म शेषनाग के गानों के लिए फिल्म के कोरियोग्राफर के. आर. रेड्डी ने सरोज खान को ही चुना था. लेकिन फिल्म के सेट पर कुछ ऐसा हुआ कि बात फिल्म इंडस्ट्री में फैल गई कि सरोज खान और रेखा में झगड़ा हुआ. बाद में सरोज खान ने इसे इंटरव्यू में क्लियर भी किया था.

क्यों रोने लगीं थीं रेखा ?

लहरों से बातचीत में सरोज खान ने बताया था कि उनका और रेखा का कोई विवाद नहीं था. इसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया था. सरोज खान ने रेखा से कहा था, रेखा जी लगता है आपको मुझसे कोई परेशानी है या फिर एलर्जी है. क्योंकि जब मैं आपको रिहर्सल के लिए बुलाती हूँ तब आप आती नहीं हैं. और फिर सेट पर आने के बाद कहती हैं कि मैं ठीक नहीं हूँ. या तो आप कोरियोग्राफर बदल लो या फिर डायरेक्टर से बोल दो कि आपको मेरे साथ काम नहीं करना है. इसी इंटरव्यू के वक्त सरोज खान ने कहा था कि जब उन्होंने रेखा को ये बात बोली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए. तब सरोज जी ने उनको समझाया, जिसके बाद रेखा शूटिंग पर वापस लौट गईं.

म्यूजिक, फन, कॉमेडी और डांस... सलमान खान के दबंग टूर का जोरदार प्रोमो आया



बीते कई दिनों से सलमान खान दबंग टूर को लेकर सुर्खियों में हैं. इस टूर की वजह से वो इस हफ्ते 'बिग बॉस-वीकेंड' का वार भी होस्ट नहीं कर रहे हैं. टूर से पहले उन्होंने एक प्रोमो वीडियो शेयर किया है और बताया है कि इस टूर में क्या कुछ होने वाला है. सलमान ने बताया कि इस इवेंट में म्यूजिक होगा, फन होगा, कॉमेडी होगी और डांस भी. ये सब नॉन-स्टॉप चार घंटे तक चलने वाला है. उन्होंने जो प्रोमो वीडियो शेयर किया है उसमें इस इवेंट में सलमान के साथ शामिल हो रहे सितारों के वीडियो क्लिप दिखाए गए हैं. सभी परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं.

कब है सलमान खान का इवेंट ?

सलमान के साथ सोनाक्षी सिन्हा, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा



पाटनी, तमन्ना भाटिया, प्रभु देवा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर और आस्था गिल भी इस इवेंट का हिस्सा हैं. सभी सलमान के साथ दुबई में परफॉर्म करने वाले हैं. प्रोमो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, दुबई, क्या आप तैयार हो दबंग एक्सपीरियंस के लिए, इस टूर का पहला इवेंट 7 दिसंबर को स्टूडियो दुबई हार्बर मरीना में होने वाला है.

भारत के साथ-साथ दुबई में भी सलमान खान की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है. वहां भी उन्हें लोग काफी प्यार करते हैं. वो पहले भी दुबई में दबंग टूर के नाम से ही इवेंट कर चुके हैं और उनके इवेंट को फैंस का खूब प्यार मिला था.

सलमान की जगह 'बिग बॉस' में कौन ?

अब जब सलमान 'दबंग टूर' में बिजी हैं तो ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि उनकी गैरमौजूदगी में 'बिग बॉस' का जिम्मा कौन संभालेगा. जवाब है- फराह खान. इस बार फराह वीकेंड का वार में नजर आएंगी. बहरहाल, सलमान पिछले कुछ समय से एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जिसका नाम है 'सिकंदर'. अगले साल ईद के मौके पर ये फिल्म रिलीज होने वाली है. साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और ए. आर. मुरगदास इस फिल्म के डायरेक्टर हैं.

राँची और दिल्ली के साथ-साथ

अब

रायपुर (छत्तीसगढ़)

से

प्रकाशित

आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अख़बार



सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :-

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042